तापमान
अधिकतम 33 .2 डिग्री
न्यूनतम 26 .6 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, रविवार, 7 जुलाई 2024

9 शिविर में 150 लोगों की निःशुल्क जांच

10 किशोरी का सुराग न लगने पर परिजनों ने लगाया जाम

GATEWAY EDUCATION
Delhi-NCR, Sonipat
ADMISSION OPEN 2024
B.TECH CSE | B.TECH CSE (AI & ML)
B.PHARMACY | B.ARCH
BBA | BCA | MBA | MCA
K-12 INTERNATIONAL SCHOOL
Apply Now: www.gateway.edu.in
Collaboration with IBM
18 YEARS OF EXCELLENCE
SCHOLARSHIP* UPTO 100%
Gateway Campus, Sector-11, Sonipat (Haryana)
9650066221 | 8800553350
FREE BUS FACILITY FROM - SONIPAT CITY

खबर संक्षेप

मनी ट्रांसफर सेंटर से ढाई लाख रुपये चोरी

खरखौदा। सिसाना गांव के एक मनी ट्रांसफर सेंटर से करीब ढाई लाख रुपये की चोरी होने की सूचना है। बताया गया है कि बीती रात चोरों ने शटर उखाड़कर सेंटर में रखी नकदी पर हाथ साफ किया। राकेश द्वारा संचालित मनी ट्रांसफर सेंटर में चोरी की घटना तब घटी जब दुकान बंद थी। चोर शटर उखाड़कर सेंटर में दाखिल हुए। राकेश का कहना है कि उसने यह नकदी शनिवार को किसी व्यक्ति को देने के लिए रखी हुई थी। लेकिन उससे पहले ही चोरी हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से सबूत जुटाए और जल्द ही चोरों को पकड़ने का आश्वासन दिया है। थाना प्रभारी अंकित का कहना है कि कि वे क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं और संदिग्धों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। जल्दी ही आरोपितों को पकड़ लिया जाएगा।

अवैध शराब की खेप के साथ युवक काबू

गोहाना। सदर थाना गोहाना की पुलिस ने गांव जवाहरा के सोनू को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया। उससे अवैध देसी शराब और बियर की बोतलें बरामद की गईं। सहायक उप निरीक्षक रामबीर को सूचना मिली कि गांव जवाहरा में बंद ठेके के पास सोनू अवैध शराब बेचने के लिए रखे हुए है। पुलिस मौके पर पहुंची तो वह शराब की पेटियों को छोड़ कर भागने लगा। पुलिस ने उसे काबू कर लिया। पुलिस ने देशी शराब की 41 बोतलें, 13 अध्धे, 54 पव्वे और बीयर की 37 बोतलें बरामद की। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

किसानों के कृषि उपकरण चोरी

गोहाना। गांव भैंसवाल कलां और दोदवा से चोरों ने तीन किसानों के खेतों से कृषि उपकरण चोरी कर लिए। सदर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। गांव भैंसवाल कलां के कृष्ण ने पुलिस को बताया कि वह इस समय समालखा में रहता है। उसने अपने गांव में खेत में छह माह पहले सोलर पंप लगवाया था। पंप से मोटर चोरी कर ली गई। गांव दोदवा के राम कुंवार ने बताया कि उसके खेत से ट्यूबवेल पर लगाया पंखा चोरी कर लिया गया। उसके खेत के साथ में नरेंद्र के खेत से भी पंखा चोरी किया गया। किसानों ने आरोपितों को जल्द पकड़ने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आईटीआई में मिशन एडमिशन की दौड़ मनपसंद ट्रेड का ऑप्शन भरने की होड़

अब 9 को दूसरी वरीयता सूची जारी की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

आईटीआई (कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) में दाखिलों के लिये दूसरे चरण की प्रक्रिया जारी है। इसके तहत अपनी ट्रेड बदलवाने करने का शनिवार को अंतिम दिन रहा। जिसकी वजह से आईटीआई में ट्रेड बदलवाने के लिये विद्यार्थियों के बीच होड़ लगी रही। विभाग की तरफ से ट्रेड बदलवाने के लिए 4 से 6 जुलाई तक पोर्टल खोला गया था। अंतिम दिन होने के कारण आईटीआई में ट्रेड बदलवाने के लिए विद्यार्थियों की भीड़ लगी रही। आईटीआई प्रबंधन के अनुसार दूसरी वरीयता सूची 09 जुलाई को जारी की जाएगी। जिले की 13 आईटीआई में 3956 सीटों के लिए 7 से 21 जून तक ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया चली थी। निर्धारित तिथि तक विभिन्न आईटीआई में निर्धारित सीटों से भी कम आवेदन पहुंचे थे। जिसे देखते हुए विभाग ने आवेदन करने की अंतिम तिथि को चार बढ़ाकर 25 जून कर दिया था। जिसके बाद 28 जून को पहली वरीयता सूची जारी की गई थी। जिसमें सोनीपत आईटीआई में 34 ट्रेड्स में 988 सीटों पर 467 विद्यार्थियों का नाम शामिल किया गया था। हैरानी की बात यह है कि सूची में शामिल इन विद्यार्थियों में महज 228 विद्यार्थियों ने ही फीस जमा करवाते हुए अपना दाखिला सुनिश्चित करवाया था, जबकि 239 विद्यार्थियों ने दाखिला लेने में कोई रूची नहीं दिखाई। आईटीआई प्रबंधन की मानें तो मनपसंद ट्रेड नहीं मिलने के कारण ही विद्यार्थियों ने दाखिला लेने से दूरी बनाए रखी। अब विद्यार्थियों को दूसरी मेरिट लिस्ट का बेसब्री से इंतजार है।

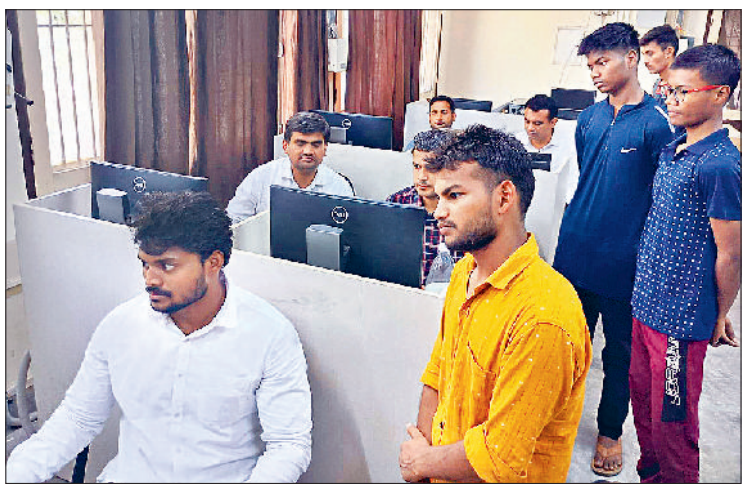

सोनीपत। मनपसंद ट्रेड का ऑप्शन भरते छात्र।

दो दिनों के लिए खोला गया था पोर्टल : आईटीआई में पहले चरण की दाखिला प्रक्रिया पूरी होने के बाद वीरवार से दूसरे चरण की दाखिला प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। जिसके तहत 04 जुलाई को पोर्टल पर दूसरे चरण के लिए रिक्त सीटों की सूची दशार्यी गई थी। साथ ही अपनी मनपसंद ट्रेड का चयन करने के लिए विभाग ने दो दिन के लिए पोर्टल भी ओपन कर दिया था।

शनिवार को मनपसंद ट्रेड का चयन करने का अंतिम दिन रहा। यही कारण रहा कि आईटीआई में दिन भर विद्यार्थियों का आना-जाना लगा रहा।

यह ट्रेड नंबर वन

आईटीआई में इलेक्ट्रीशियन ट्रेड विद्यार्थियों की पहली पसंद बनी हुई है। यही कारण रहा कि आवेदन प्रक्रिया के समय भी सोनीपत आईटीआई में इसी ट्रेड के लिए सबसे अधिक 828 आवेदन मिले थे, जो अन्य ट्रेड्स के मुकाबले कई गुणा अधिक थे। इस ट्रेड की कट ऑफ भी काफी ऊपर रही थी। पहली वरीयता सूची में इलेक्ट्रीशियन ट्रेड के लिए 26 और इलेक्ट्रीशियन ड्यूल के लिए 12 विद्यार्थियों का नाम शामिल किया था। यही कारण था कि मनपसंद ट्रेड नहीं मिलने से काफी विद्यार्थियों ने दाखिले से दूरी बनाए रखी। इन विद्यार्थियों ने जुमार्ना वहन करते हुए दूसरी वरीयता सूची में शामिल होने के लिए अपनी ट्रेड में बदलाव किया है।

ट्रेड बदलने का अंतिम अवसर था शनिवार

आईटीआई में दूसरे चरण की दाखिला प्रक्रिया चल रही है। जिसके तहत अपनी ट्रेड में बदलाव करवाने का विद्यार्थियों के पास शनिवार को अंतिम अवसर रहा। यही कारण था कि आईटीआई में दिन भर विद्यार्थियों का आना जाना लगा रहा। 09 जुलाई को दूसरी वरीयता सूची जारी की जाएगी।
विक्रम सिंह, प्राचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सोनीपत

किशोरी से छेड़छाड़ के दोषी को 5 साल की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

■ अदालत ने दोषी पर सात हजार रुपये जुर्माना लगाया जुर्माना राशि से पांच हजार रुपये पीड़िता को देने के आदेश

मुरथल थाना क्षेत्र में किशोरी से छेड़खानी करने व धमकी देने के आरोपित को अदालत ने दोषी करार दिया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र की अदालत ने दोषी को पांच साल कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर सात हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना राशि से पांच हजार रुपये पीड़िता को देने के आदेश दिए गए है।

इटावा उत्तर प्रदेश निवासी एक व्यक्ति ने 22 नवंबर, 2023 को पुलिस को बताया था कि वह मुरथल थाना क्षेत्र में रहते है। उनके पास उनकी 15 वर्षीय बेटी भी रहती है। उनके पड़ोस में मूलरूप से यूपी के जिला फिरोजाबाद के गांव खोड़ाई निवासी रोहित का भी रहता था। घटना के दिन वह तथा उनकी पत्नी काम पर चले गए थे। बेटी कमरे पर अकेली थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला रोहित उनके कमरे में घुस गया और उनकी बेटी के साथ छेडखानी कर दी थी। इस पर उनकी बेटी ने चिल्लाना शुरू कर दिया था। जिस पर आरोपित उनकी बेटी को मारने की धमकी देकर भाग गया था। उनके कमरे पर आने के बाद बेटी ने मामले से उन्हें अवगत कराया था। जिस पर पुलिस को शिकायत दी गई थी। पुलिस ने मामले में व्यक्ति के बयान पर आरोपित रोहित के खिलाफ छेड़खानी, 8 पॉक्सो एक्ट व धमकी देने का मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपित रोहित को 23 नवंबर, 2023 को गिरफ्तार कर लिया था। मामले में सुनवाई के बाद एएसजे नरेंद्र ने आरोपित रोहित को दोषी करार दिया। अदालत ने दोषी को 8 पॉक्सो एक्ट में पांच साल कैद व पांच हजार रुपये जुर्माना तथा धमकी देने के मामले में दो साल कैद व दो हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है।

ई-भूमि पोर्टल के माध्यम से किसान सरकार को बेच सकते है अपनी भूमि : उपायुक्त

सोनीपत। वीसी से बैठक में हिस्सा लेते उपायुक्त व अन्य अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

मुख्यमंत्री नायब सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हाई पावर्ड लैंड परचेज कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सभी जिलों में किसानों द्वारा ई-भूमि पोर्टल पर सरकार को अपनी जमीन बेचने के लिए किए गए आवेदनों पर विस्तार से बातचीत की गई। मुख्यमंत्री ने सभी जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए कि ई-भूमि पोर्टल के माध्यम से जमीन खरीद प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता के साथ पूरा करवाएं ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न आए। इसके अलावा जो किसान ई-भूमि पोर्टल पर आवेदन करता है तो अधिकारी उस भूमि का निरीक्षण कर उसकी पूरी रिपोर्ट मुख्यालय भिजवाएं, ताकि सरकारी की विभिन्न परियोजनाओं के लिए इन जमीनों का प्रयोग किया जा सके। वीसी के दौरान मुख्यमंत्री के साथ शहरी स्थानीय निकाय राज्य मंत्री सुभाष सुधा व मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद भी मौजूद रहे।

वीसी के उपरांत उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वीसी के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा जो भी दिशा-निर्देश दिए गए है उन सभी निदेर्शों की प्राथमिकता के साथ पालना की जाए। उपायुक्त ने कहा कि अगर कोई किसान अपनी जमीन सरकार को बेचना चाहता है तो वह अपना आवेदन ई-भूमि पोर्टल पर कर सकता है। वीसी में डीआरओ हरिओम अत्री, तहसीलदार जीवेन्द्र कुमार व अन्य मौजूद रहे।

थार ने बाइक को टक्कर मारी, महिला की मौत, पति गंभीर

सोनीपत। सेक्टर-12 आउटर पर शिक्षण संस्थान के पास थार गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई और उनके पति घायल हो गए। पति के बयान पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।गांव फाजिलपुर निवासी ललित ने सेक्टर-27 थाना पुलिस को बताया कि की भतेरी अपने पति ललित के साथ शुक्रवार की शाम को मंडी में सब्जी लेने गई थी। शाम करीब सात बजे जब दोनों बाइक पर सवार होकर वापस लौट रहे थे। सेक्टर-12 के आउटर पर शिक्षण संस्थान के पास पीछे से आई थार गाड़ी के चालक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने दोनों को अस्पताल में पहुंचाया। जहां उनकी पत्नी भतेरी को मृत घोषित कर दिया। थार चालक टक्कर मारने के बाद मौके से भाग गया। राहगीरों ने थार का नंबर नोट कर लिया। घायल ललित को नागरिक अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जिसके बाद परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।हादसे का शिकार हुई भतेरी के पास दो बच्चे हैं। जिसमें बड़ा बेटा अंशु (10) और छोटा आयुष (8) साल का है।

बस स्टैंड पर हैप्पी कार्ड योजना के तहत हर दिन बनेंगे कार्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

रोडवेज ने हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी) कार्ड बनाने के कार्य को गति प्रदान की है। जिसके तहत अब सप्ताह के सभी सातों दिन बस अड्डे पर हैप्पी कार्ड बनाए जाएंगे। पहले यह कार्य केवल कार्यदिवस यानी सोमवार से शुक्रवार तक किया जाता था। अब शनिवार व रविवार को अवकाश के दिए भी हैप्पी कार्ड बनाए जाएंगे। जिससे पात्र कार्डधारकों को लाभ मिलेगा।

■ अवकाश के दिन भी कर्मचारी कार्ड बनाने के लिए रहेंगे तैनात

सरकार की तरफ से एक लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले परिवारों के लिए रोडवेज बसों में एक हजार किलोमीटर तक निशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान करने की योजना तैयार की गई थी। जिसके तहत रोडवेज विभाग की तरफ से पात्र लोगों के हैप्पी कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसके लिए पहले पात्रों को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करना होता है। लाभार्थियों को योजना का लाभ देने के लिए बस अड्डे पर सप्ताह के सभी दिन हैप्पी कार्ड बनाने व वितरण का कार्य किया जाएगा। यही नहीं बस अड्डे पर आने वाले लाभार्थियों को लाइन में ना लगना पड़े, इसके लिए काउंडर की संख्या भी बढ़ाते हुए पांच कर दी है। पहले हैप्पी कार्ड के लिए तीन काउंटर बनाए गए थे।

9500 कार्ड वितरित

रोडवेज अधिकारियों ने बताया कि हैप्पी कार्ड बनाने की योजना के तहत 7 मार्च से आवेदन प्रक्रिया शुरू हुई थी। हालांकि 16 मार्च को चुनाव आचार संहिता के तहत कार्ड बनाने की प्रक्रिया थम गई थी। हालांकि चुनाव आचार संहिता के बाद काम दोबारा शुरू किया गया। अब जिले के ज्यादा से ज्यादा लोगों को योजना का लाभ मिल सके, इसके लिए कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। जिले में अब तक 23 हजार 500 लोगों के कार्ड बनकर आ चुके हैं। इनमें से 9500 लोगों को कार्ड वितरित किए गए है।

काउंटर की संख्या भी बढ़ाई गई

हैप्पी कार्ड का लाभ अधिक से अधिक पात्रों को मिल सके, इसके लिए बस अड्डे पर अवकाश के दिन भी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं काउंटर की संख्या भी बढ़ाई गई है, ताकि योजना का लाभ लेने वाले पात्रों का परेशानी ना उठानी पड़े। वहीं लोगों को इस योजना के बारे में बताने के लिए प्रचार-प्रसार भी तेज किया जाएगा।
संजय कुमार, महाप्रबंधक, रोडवेज डिपो, सोनीपत।

छात्रा ने खिड़की के बाहर खड़े भाई को दिया पेपर, फ्लाइंग ने यूएमसी बनाया

शनिवार को गणित की कंपाटमेंट की परीक्षा थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की तरफ से संचालित की जा रही 10वीं कक्षा की कंपार्टमेंट व अंक सुधार की परीक्षा में शनिवार को बोर्ड उड़नदस्ते ने नकल करते एक छात्रा को पकड़ा।

■ पकड़े जाने पर सेंटर में कुछ देर हंगामा भी हुआ

आरोप है कि छात्रा ने नकल करने के लिए खिड़की से बाहर खड़े अपने भाई को पेपर दिया था। हालांकि निरीक्षण करने पहुंची बोर्ड की फ्लाइंग टीम ने छात्रा को पकड़ लिया। जिसके बाद उसका यूएमसी बनाया गया है। उड़नदस्ता टीम ने कहा कि बोर्ड परीक्षा में नकल किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की तरफ से संचालित की जा रही कंपार्टमेंट व अंक सुधार की परीक्षा में शनिवार को गणित विषय की कंपार्टमेंट की परीक्षा हुई। मुरथल अड्डा स्थित पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए एकमात्र परीक्षा केंद्र पर बोर्ड की तरफ से गठित उड़नदस्ते ने निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सामने आया कि एक छात्रा ने खिड़की से बाहर खड़े अपने भाई को नकल करने के पेपर थमाया था।

पकड़े जाने पर कुछ देर तक हंगामा भी हुआ। मामले की शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने केस दर्ज किया

बोर्ड की कंपार्टमेंट परीक्षा में एक छात्रा की तरफ से खिड़की से बाहर खड़े अपने भाई को पेपर देने की शिकायत मिली थी। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
इंस्पेक्टर सतबीर, सिविल लाइन थाना, सोनीपत

नांगल खुर्द के पास खड़ी कार से 50 किलो चूरापोस्त बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

■ कार का टायर फटा हुआ था, पिछली सीट पर मिले चूरापोस्त से भरे कट्टे

■ पुलिस को शक दिल्ली से पंजाब ले जाया जा रहा था नशा

मुरथल थाना पुलिस ने गांव नांगल खुर्द के पास एक कार को जब्त किया है। जिसका टायर फटा हुआ था। उसमें से पुलिस ने 7.50 लाख रुपये की 50 किलो चूरापोस्त बरामद की है। आशंका है कि चूरापोस्त दिल्ली से पंजाब की ओर ले जाई जा रही रही थी। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच आरंभ कर दी है।

गश्त पर थी पुलिस : मुरथल थाने के जांच अधिकारी कुलदीप टीम के साथ गश्त पर थे। नांगल खुर्द गांव के सामने जीटी रोड के सर्विस रोड पर कार खड़ी दिखाई दी। जिसका टायर फटा हुआ था। टीम ने कार की पिछली सीट पर काले कपड़े के नीचे कट्टे दिखाई दिए। जिसमें नशीला पदार्थ होने का शक हुआ। इस पर पुलिस ने डयूटी मजिस्ट्रेट एईटीओ राजेंद्र राठी को बुलाया। लेकिन उन्होंने गाड़ी की तलाश लेने से इनकार कर दिया। इस पर गांव के सरपंच अर्जुन आंतिल को बुलाकर कार की खिड़की को खोला गया। उसमें से 7.50 लाख रुपये की 50 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच आरंभ कर दी है।

South Point
GROUP OF INSTITUTIONS
www.southpoint.net.in
DIRECT ADMISSION
B.A., B.Sc., B.Com
B.Tech, B.A. LL.B
BBA, BCA, B.Pharm
D.Pharm, DMLT/ LEET
Polytechnic / LEET
For More Information
94168 15261, 90344 72910
DILBAG S. KHATRI
Chairman & Managing Trustee
Visit for Admission at South Point Technical Campus
Purkhas Road, Near Sugar Mill Flyover, Sonipat
www.southpoint.net.in
98120 20033, 98124 21919
LOCATION

लगातार कुलाचें भर रहा शेयर बाजार, अब क्या करें निवेशक

एसआईपी का टारगेट पूरा हो गया है तो पैसा निकालने का सही समय

●

सेंसेक्स 80,000 के पार पहुंचा, निवेशकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया

● एक्सपर्ट बोले, एसआईपी कर रहे हैं घबराएं नहीं, निवेश करते रहें● बाजार में अगर गिरावट आती है तो और यूनिट खरीदें यानी निवेश बढ़ाएं ● मौजूदा घरेलू मैक्रोज के आधार पर, निवेशक लंबी अवधि का लक्ष्य बनाए ● इक्विटी में एसआईपी जारी रखें, अच्छा मुनाफा देकर जाएगा बाजार

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार अपने रिकॉर्ड हाई पर है। यह लगातार कुलाचें भर रहा है और नित नए रिकॉर्ड बना रहा है। निवेशक हर रोज लाखों रुपये कमा रहे हैं। लगातार बढ़ते बाजार के कारण 4 जुलाई को बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स ने पहली बार 80,000 का स्तर पार कर लिया। 12 दिसंबर 2023 को सेंसेक्स 70 हजार तक पहुंचा था, यानी 7 महीनों से कम समय में इसने 10 हजार अंकों की तेजी दिखाई है। वहीं, 2 साल की बात करें तो सेंसेक्स 53 हजार से 27 हजार अंक बढ़कर 80 हजार के लेवल तक पहुंचा है। कोविड के समय की बात करें तो सेंसेक्स मार्च 2020 में 26,000 के लेवल पर था। तब से अब तक इसमें 54,000 अंकों की तेजी आ चुकी है। अब सवाल यह है कि इक्विटी में इतनी बड़ी रैली रैली आने के बाद इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेशकों को क्या करना चाहिए। एसआईपी भुना लें या अभी भी जारी रखें। इस रिपोर्ट हम देंगे ऐसी ही जानकारी जो आपके निवेश की बढ़त बनाए रखेगी।

अवास्तविक नहीं बाजार की तेजी

बाजार के जानकारों का कहना है कि 4 साल पहले देखें तो मार्च 2020 में सेंसेक्स 26,000 के लेवल के आस पास था, जो अब करीब 54,000 अंक बढ़कर 80,000 के पार चला गया है। यह अवास्तविक लगता जरूर है, लेकिन यह सच भी है। यह निवेशकों को भरोसा दिलाता है कि इक्विटी बाजारों ने लंबे समय में अच्छा प्रदर्शन किया है, हमें निवेश करते समय और उसके बाद भी धैर्य और आत्मविश्वास की आवश्यकता है। मौजूदा घरेलू मैक्रोज के आधार पर, निवेशकों को लंबी अवधि का लक्ष्य बनाकर इक्विटी में एसआईपी जारी रखना चाहिए। म्यूचुअल फंड स्ट्रैटेजीज, स्टॉक मार्केट में सीधे निवेश करने से अलग होती है। लंबी अवधि के निवेशक जिनके पास अच्छी तरह से डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो हैं और एसआईपी के जरिए निवेश करते हैं, उन्हें लंबी अवधि तक निवेश को बनाए रखना चाहिए। बंद नहीं करना चाहिए।

बाजार कमजोर हो तो यूनिट खरीदें

बाजार में यह रैली पहली बार नहीं है। रैली और फिर कंसोलिडेशन ये बाजार के नेचर में हैं। इसलिए बाजार भले ही 80,000 के पार चला गया है, आगे भी इसमें तेजी आती रहेगी। इसलिए एसआईपी कर रहे हैं तो बाजार की तेजी से घबराने की बजाय, एसआईपी में बने रहें, बल्कि बाजार में अगर गिरावट आती है तो और यूनिट खरीदें यानी बाजार की गिरावट पर निवेश बढ़ा दें।

अगर गोल पूरे हो गए

अगर आपके फाइनेंशियल गोल पूरे हो गए हैं तो आप इक्विटी से अपना पैसा किसी ज्यादा सुरक्षित विकल्प में शिफ्ट कर सकते हैं। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि मान लिया आपने बच्चे के हायर एजुकेशन के लिए एसआईपी शुरू किया था। आपका लक्ष्य इसके जरिए 15 लाख जुटाने का था। अगर आपके एसआईपी की वैल्यू 15 लाख हो गई है या बिल्कुल इसके करीब है, तो आपको बाजार के इस वैल्युएशन पर अपना पैसा किसी सुरक्षित विकल्प में शिफ्ट करने की सलाह दी जाती है। इससे लक्ष्य तक आपको एक भी पैसा नुकसान नहीं होगा। आप अपना पैसा एफडी या डेट विकल्पों में शिफ्ट कर सकते हैं। इससे आपके लक्ष्य पूरे हो जाएंगे और आपका निवेश भी सुरक्षित रहेगा।

पहली बार के निवेशकों के लिए

अगर आप बाजार में नए हैं तो आपको एसेट अलोकेशन स्ट्रैटेजी पर चलना होगा, जहां इक्विटी, डेट और गोल्ड का सही रेश्यो हो। इक्विटी में एक्सपोजर चाहते हैं तो अभी के दौर में लार्जकैप और मल्टी कैप फंड बेहतर विकल्प हैं। एसेट अलोकेशन अपनी उम्र और जोखिम लेने की क्षमता के आधार पर तय कर सकते हैं।

रिस्क क्षमता जांच लें

अगर 21 से 40 साल की उम्र है और रिस्क ले सकते हैं तो इक्विटी में 80 फीसदी और डेट में 20 फीसदी अलोकेट रख सकते हैं। उम्र अगर 40 से 55 साल है तो मॉडरेट रिस्क कैटेगरी में आएंगे। ऐसे में आप इक्विटी और डेट में 60 और 40 फीसदी या 50 और 50 फीसदी रेश्यो तय कर सकते हैं। उम्र 55 साल से ज्यादा है यानी आप रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर कन्जर्वेटिव इन्वेस्टर हैं, तो इक्विटी और डेट में एक्सपोजर 40 फीसदी और 60 फीसदी होना चाहिए। इस तरह से निवेश करेंगे तो आपको नुकसान नहीं होगा। अगर इक्विटी नुकसान करेगी तो डेट इसकी भरपाई कर देगा। निवेश करते समय अच्छी रणनीति अपनाएंगे तो नुकसान से बचा जा सकता है। इसलिए सावधानी, धैर्य के साथ रणनीति बनाकर निवेश करें।

स्मॉल कैप में निवेश की क्या होगी सही रणनीति

- इस हाई रिटर्न-हाई रिस्क कैटेगरी में लगा रहे पैसा
- स्मॉल कैप को हाई रिस्क इनवेस्टमेंट माना जाता है
- जोखिम के बावजूद मोटा मुनाफा भी दे जाते हैं ये फंड
- निवेशक चाह कर भी नहीं करते नजरअंदाज
- धैर्य और लंबे समय के लिए निवेश से बढ़िया रिटर्न मिलेगा
- स्मॉल कैप में निवेश के लिए सही रणनीति अपनाएं
- रिस्क को मैनेज करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्मॉल कैप फंड में बढ़िया पैसा देने की क्षमता है। इसलिए ये फंड हाई रिस्क के बावजूद निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं। निवेशक इन फंडों में निवेश कर लगातार मालामाल हो रहे हैं। बाजार आधारित निवेश से मोटी कमाई करनी हो, तो ऊंचा रिटर्न देने वाले स्मॉल कैप शेयर या स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड का जिक्र आ ही जाता है, लेकिन स्मॉल कैप के साथ हाई रिटर्न के साथ ही साथ हाई रिस्क भी जुड़ जाता है। यानी स्मॉल कैप शेयर या उनमें पैसे डालने वाले स्मॉल कैप फंड्स, निवेश पर मोटा मुनाफा तो दे सकते हैं, लेकिन उनके साथ ज्यादा जोखिम भी जुड़ा होता है। यही वजह है कि आमतौर पर छोटे निवेशकों को स्मॉल कैप से दूरी बनाए रखने या उनमें एक्सपोजर बेहद सीमित रखने की सलाह दी जाती है।

स्मॉल कैप में निवेश का मतलब

स्मॉल कैप में निवेश का मतलब है अपने पैसों को ऐसी छोटी कंपनियों में लगाना, जिनमें आगे चलकर बेहतर रिटर्न देने की क्षमता हो। ये कंपनियां, आकार में छोटी होने के बावजूद, तेजी से बढ़ने की क्षमता रखती हैं। यही बात मुख्य रूप से स्मॉल कैप शेयरों में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड्स के बारे में भी कही जा सकती है। हालांकि स्मॉल कैप में निवेश के साथ एक बड़ा जोखिम भी जुड़ा रहता है, क्योंकि स्मॉल कैप इनवेस्टमेंट काफी अस्थिर माने जाते हैं। यही वजह है कि सिर्फ उन्हीं लोगों को इनमें निवेश की सलाह दी जाती है, जो बाजार में आने वाले भारी उतार-चढ़ाव को हैंडल कर सकते हैं।

असाधारण रिटर्न संभव

असाधारण रिटर्न मिलने की संभावना स्मॉल कैप में निवेश का मुख्य आकर्षण है। उन छोटी कंपनियों में निवेश करना जबरदस्त ढंग से फायदेमंद साबित हो सकता है, जिनके बिजनेस में आगे चलकर नई ऊंचाइयां छूने की संभावना हो। हालांकि इस दौरान उनमें काफी उतार-चढ़ाव भी आ सकते हैं, जिसे झेलना सबके लिए संभव नहीं हो सकता है, लेकिन जो लोग इसे बर्दाश्त करने की क्षमता रखते हैं, वे अच्छा-खासा मुनाफा हासिल कर सकते हैं।

स्मॉल कैप में सफल निवेश की रणनीति

बाजार में निवेश से जुड़ा एक सच यह भी है कि जिन निवेशकों को मार्केट में पैसे लगाकर मोटा मुनाफा कमाना है या मल्टीबैगर की तलाश है, वे स्मॉल कैप को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं कर सकते। स्मॉल कैप में निवेश करने वाले अगर सही रणनीति पर अमल करें तो रिस्क को मैनेज करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं। स्मॉल कैप में निवेश की स्ट्रैटजी को सफल बनाने के लिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

डायवर्सिफिकेशन पर ध्यान दें
रिस्क को कम करने के लिए अपने पैसों को कई स्मॉल कैप फंडों में बांटकर निवेश करें।

नियमित रूप से निवेश करें
बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के बीच कॉस्ट एवरेजिंग करने के लिए सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (**SIP**) के माध्यम से नियमित निवेश करें।

लॉन्ग टर्म नजरिये से निवेश
बाजार की अस्थिरता का मुकाबला करना है, तो आपको अपना इनवेस्टमेंट होराइजन 7 से 10 साल तक रखना चाहिए।

रिसर्च पर ध्यान दें
स्मॉल कैप में निवेश से मुनाफा कमाना है और मल्टी-बैगर स्टॉक्स की पहचान करनी है, तो आपको रिसर्च पर मेहनत करनी पड़ेगी। तभी आप सही समय पर ऐसी कंपनियों की पहचान कर पाएंगे, जो आगे चलकर मोटा मुनाफा देने की संभावना रखती हैं।

धैर्य बनाए रखें
लंबी अवधि में स्मॉल कैप में निवेश के जरिये मुनाफा कमाना है, तो बाजार में आने वाले शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव के बीच धैर्य बनाए रखना जरूरी है। तभी आप निवेश के सही मौकों का लाभ उठा पाएंगे।

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड का सेलेक्शन
स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड में निवेश करना, भविष्य में बड़ा मुनाफा देने की संभावना रखने वाली छोटी कंपनियों में निवेश करने का एक सुरक्षित और अधिक व्यावहारिक तरीका हो सकता है। फंड मैनेजरों के पास अच्छे स्मॉल कैप स्टॉक चुनने और खराब या संदेहजनक मैनेजमेंट वाले स्टॉक से दूर रहने के लिए जरूरी विशेषज्ञता होती है। सही फंड चुनने के लिए फुल मार्केट साइकल के दौरान उसके प्रदर्शन का मूल्यांकन करना और फंड मैनेजर के अनुभव और रणनीति पर विचार करना भी जरूरी है।

फंड के साइज और लिक्विडिटी का महत्व
स्मॉल कैप फंड जैसे-जैसे बड़े होते जाते हैं, फंड मैनेजरों के लिए अपने प्रदर्शन को बनाए रखना अधिक चुनौती भरा काम हो जाता है। कैपिटल का फ्लो बहुत बड़ा हो, तो फंड मैनेजर के लिए स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों की कीमतों पर असर डाले बिना उन्हें खरीदना और बेचना बेहद मुश्किल हो सकता है। इसलिए छोटे या मंझोले आकार के फंड में निवेश करने से ग्रोथ के बेहतर मौके मिल सकते हैं।

निवेश में सोना सबसे 'खरा' लोगों को बना रहा 'धनवान'

छह महीने में 8,400 रुपये तक महंगा हो गया गोल्ड, सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी दर्ज की गई है, चीन में मांग बढ़ने, दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के जमकर खरीदारी की, फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती करने की संभावना से भी कीमत बढ़ी

जानकारी
विनोद कौशिक

कहा जाता है कि सोना सबसे सुरक्षित निवेश है। चाहे इसे आप किसी भी रूप में खरीदें। यह आपको कभी निराश नहीं करेगा। अक्सर निवेशकों खासकर महिलाओं के लिए तो यह और भी खास है। निवेश के मामले में सोना लगातार बढ़िया प्रदर्शन कर रहा है। पिछले छह महीने में तो सोने ने सबसे ज्यदा रिटर्न दिया है। इसके दाम 8,400 रुपये तक बढ़ गए हैं। इसलिए तो कहा जा रहा है कि सोना निवेश के मामले में सबसे 'खरा' उतरा है। इसका कोई तोड़ नहीं है। वहीं जानकारों का कहना है कि इस साल सोने के दाम 77000 से 80000 रुपये प्रति दस ग्राम तक जाने की संभावना है। ऐसे में यह निवेश के लिए बेहतर विकल्प है। सोने ने कभी निवेशकों को धोखा नहीं दिया है। इसलिए आप भी इस पीली धातू में निवेश कर मोटा मुनाफा कमा सकते हैं।

सोने का निफ्टी से बेहतर प्रदर्शन

साल की पहली छमाही खत्म हो चुकी है। इस दौरान सोने ने निफ्टी से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। सोने ने साल की पहली छमाही में 13.37% रिटर्न दिया है, जबकि निफ्टी में इस दौरान 10.5% तेजी आई है। रुपये के लिहाज से देखें तो इस दौरान एमसीएक्स गोल्ड कॉन्ट्रैक्ट में करीब 8,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर देखें तो इस दौरान सेंसेक्स में 2,279 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। जुलाई का सोना वायदा 74,777 रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था और अब यह 71,800 करोड़ रुपये के आसपास मंडरा रहा है। मध्य पूर्व में तनाव, चीन में सोने की मांग में तेजी और फेड ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के कारण सोने की कीमत में तेजी देखने को मिली।

सोने ने छह महीने में दिया 13.37% रिटर्न

पांच साल से बेहतर रिटर्न

पिछले पांच सालों में सोने और निफ्टी के पहली छमाही के प्रदर्शन को देखें तो गोल्ड ने काफी बेहतर रिटर्न दिया।

सोने का रिटर्न: साल 2019 और 2023 के बीच, सोने का रिटर्न चार मौकों पर सकारात्मक रहा है, जिसमें 2020 में सबसे ज्यादा (13.71%) और 2022 में सबसे कम (0.59%) रहा। 2021 में इसने 3.63% का नकारात्मक रिटर्न दिया है।

निफ्टी का रिटर्न : वहीं, इसके विपरीत, निफ्टी ने तीन मौकों (2019, 2021 और 2023) में सकारात्मक रिटर्न दिया है। इस दौरान 2021 की पहली छमाही में इसने 12% से अधिक रिटर्न दिया जो 2019 और 2023 के बीच 5 साल की अवधि में सबसे अधिक है। 2020 में, मार्च में कोविड 19 लॉकडाउन के कारण निफ्टी के स्तर में 15% की गिरावट देखी गई। 2022 की पहली छमाही में निफ्टी में 9% की गिरावट आई।

कहां तक जाएगी कीमत

सोने के प्रदर्शन के बारे में स्वर्ण बाजार के जानकारों का कहना है कि फरवरी और अप्रैल के बीच 18% की तेजी के साथ रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद सोना 71,000-72,000 रुपये के आसपास मजबूत हो रहा है। उक्त अवधि में इसमें 12,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई है। जानकारों ने कीमतों में स्थिरता के लिए पर्याप्त ट्रिगर्स की कमी को जिम्मेदार ठहराया है। कमजोर बुनियादी बातों और तकनीकी कारणों से अगले 1-2 महीनों में सोना 70,000 रुपये तक पहुंच सकता है। मध्यम से लंबी अवधि का नजरिया अभी भी सकारात्मक है और 2024 की आखिरी तिमाही में पीली धातु नए रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच सकती है। साल के अंत तक यि 75,000 रुपये से 77,000 या 80000 रुपये प्रति 10 ग्राम के लक्ष्य को हासिल कर सकता है। हालांकि अगले एक दो महीने में यह 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास रहने की उम्मीद है। इस दौरान निवेश इसे खरीदेंगे जो इसमें अच्छा मुनाफा मिलने के पूरे चांस है।

सोने में निवेश के विकल्प

गोल्ड ईटीएफ

आप शेयरों की तरह भी सोने को खरीद सकते हैं। इस सुविधा को ही गोल्ड ईटीएफ कहते हैं। ये एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड होते हैं। इन्हें स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जा सकता है। आप इसे गोल्ड की वास्तविक कीमत के करीब खरीद सकते हैं, क्योंकि गोल्ड ईटीएफ का बेंचमार्क स्पॉट गोल्ड की कीमतें हैं। हालांकि आपके पास ट्रेडिंग डीमैट अकाउंट होना जरूरी है।

फिजिकल गोल्ड

आप फिजिकल गोल्ड भी खरीद सकते हैं। फिजिकल गोल्ड जैसे सोने के बिस्किट-सिक्के या ज्वैलरी खरीदना है। हालांकि एक्सपर्ट ज्वैलरी खरीदने को गोल्ड में निवेश का अच्छा विकल्प नहीं मानते हैं। इसकी वजह है कि इसपर आपको मेकिंग चार्ज और जीएसटी देना पड़ता है।

पेमेंट ऐप से करें निवेश यानी डिजिटल गोल्ड

अब आप बेहद आसानी से अपने स्मार्टफोन से भी सोने में निवेश कर सकते हैं। आपको इसके लिए ज्यादा रुपये खर्च करने की भी जरूरत नहीं है। आप अपनी सुविधा के हिसाब से जब चाहें गोल्ड में निवेश कर सकते हैं। गूगल पे, पेटीएम, फोनपे और अमेजन पे जैसे कई प्लेटफार्म उपलब्ध हैं। डिजिटल गोल्ड खरीदने के कई फायदे हैं।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सोने में निवेश का एक विकल्प सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड भी है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है, जिसे सरकार समय-समय पर जारी करती है। इसका मूल्य रुपये या डॉलर में नहीं होता है, बल्कि सोने के वजन में होता है। अगर बॉन्ड एक ग्राम सोने का है, तो एक ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में इश्यू प्राइस पर हर साल 2.50% का निश्चित ब्याज मिलता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश के लिए भी डीमैट अकाउंट जरूरी होता है।

बाढ़ में कार डैमेज हो जाए तो क्या मिलता है इंश्योरेंस कवर

अगर आपकी कार बाढ़ में डैमेज हो जाए तो इंश्योरेंस कंपनी को उनके कस्टमर हेल्प नंबर पर संपर्क करके या उनकी वेबसाइट पर जाकर डैमेज कार की जानकारी दें। फिर कंपनी डैमेज का आकलन कर आगे की प्रक्रिया को आगे बढ़ाती हैं।

बीमा की बात
बिजनेस डेस्क

देश के अधिकांश हिस्सों में मॉनसून आ चुका है। कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति है। ऐसे में आप बाढ़ में कार के बहने और डूबने की खबरें देखते हैं। हाल ही में हरिद्वार में एक सूखी नदी में बाढ़ के कारण कई कारें बह गई थी, पहाड़ी इलाकों में कई जगह भूस्खलन के कारण कारों को नुकसान पहुंचा है। लेकिन क्या आपने यह सोचा है कि जब ये कारें बाढ़ में बहकर डैमेज हो जाती हैं तो क्या इस स्थिति में कार इंश्योरेंस कवर मिलता है? जानकारों का कहना है कि बाढ़ से होने वाले नुकसान के लिए कवरेज आपके द्वारा चुनी गई कार बीमा पॉलिसी के प्रकार पर निर्भर करता है। अगर आपने व्यापक कार पॉलिसी चुनी है, तो आप बाढ़ से होने वाले नुकसान या अपने वाहन को होने वाले नुकसान से सुरक्षित रहेंगे। आइए इस रिपोर्ट में हम उन बातों पर चर्चा करते हैं जो आपको अपनी कार के लिए बाढ़ बीमा, व्यापक कार बीमा लाभों और बाढ़ के नुकसान की स्थिति में कार बीमा दावा दायर करने के तरीके के बारे में जानने की जरूरत है।

बाढ़ से होने वाले नुकसान के लिए कवरेज की सीमा आपकी पॉलिसी के विशिष्ट विवरण के आधार पर अलग-अलग हो सकती है, इसलिए विस्तृत जानकारी के लिए पॉलिसी दस्तावेजों की समीक्षा करना या अपने बीमा प्रदाता से परामर्श करना महत्वपूर्ण है। बाढ़ से होने वाले नुकसान को समझना बेहद जरूरी है। बारिश से होने वाले नुकसान की गंभीरता तभी स्पष्ट होती है जब आप अपने वाहन को मैकेनिक के पास ले जाते हैं। जब वे मरम्मत की लिस्ट देते हैं, तो परिणामस्वरूप वित्तीय भार भारी हो सकता है।

बाढ़ से कार को होने वाले नुकसान

इंजन डैमेज
जब पानी कार के इंजन में चला जाता है, तो इससे कार के आंतरिक हिस्सों को आंशिक या संपूर्ण क्षति हो सकती है। इससे आपकी कार बेकार हो सकती है।

गियरबॉक्स डैमेज
जब पानी गियरबॉक्स में प्रवेश करता है, तो यह उपकरण को खराब कर सकता है या पूरी तरह से बेकार बना सकता है। यह आपकी परेशानी बढ़ाने वाला हो सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक फ्रंक्शन
जब बाढ़ के दौरान पानी कार में घुस जाता है, तो इससे इलेक्ट्रॉनिक्स में शॉर्ट सर्किट हो सकता है और डैशबोर्ड अलर्ट लाइट की संभावित विफलता हो सकती है। इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस को पानी बहुत जल्दी और भारी नुकसान पहुंचाता है।

इंटीरियर को नुकसान
पानी के आक्रमण के परिणामस्वरूप इंटीरियर बर्बाद हो सकता है। इसमें कार्पेट, सीटें और दूसरे नरम सामान शामिल हैं। इससे आपकी गाड़ी पूरी रूह बिगड़ सकती है। अगर आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां बाढ़ का खतरा है, तो आपके पास पर्याप्त कार बीमा कवरेज होना चाहिए।

कौन सी कार पॉलिसी बेहतर

व्यापक कार बीमा बाढ़ से संबंधित कवरेज प्रदान करता है। भूकंप और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएं कभी भी हो सकती हैं और उनकी भविष्यवाणी करना मुश्किल है। इसलिए, अगर आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां बाढ़ का खतरा है, तो आपके पास पर्याप्त कार बीमा कवरेज होना चाहिए। इससे आपको आसानी से डैमेज कार का इंश्योरेंस मिल सकेगा।

कवरेज के निम्न तरीके

इंजन सुरक्षा कवरेज
कार का इंजन बाढ़ के पानी के घुसने से क्षतिग्रस्त हो जाता है। व्यापक बीमा इंजन क्षति को कवर नहीं करता है। हालांकि, यह इंजन की मरम्मत या रिप्लेसमेंट के लिए वित्तीय कवरेज प्रदान करता है। इसलिए बीमा करवाते समय यह ध्यान रखने की बातें हैं।

शून्य मूल्यह्रास कवरेज
कार के पुर्जे समय के साथ घिसाव और टूट-फूट के कारण स्वाभाविक रूप से खराब हो जाते हैं, जिससे वाहन के मूल्य में कमी आती है, जिसे मूल्यह्रास कहा जाता है। क्लेम करते समय, मानक बीमा क्षतिग्रस्त पुर्जों के मूल्यह्रास मूल्य को कवर करता है। हालांकि, शून्य मूल्यह्रास कवरेज के साथ, बीमा मूल्यह्रास को ध्यान में रखे बिना मरम्मत के लिए पूरी राशि का भुगतान करता है, यह सुनिश्चित करता है कि कार की मरम्मत की कुल लागत को कवर किया जाए।

चाबी बदलने का कवर
आधुनिक कार की चाबियां ठीक करना या बदलना जटिल और महंगा है। अगर बाढ़ के चलते आपकी कार की चाबी या लॉकसेट डैमेज हो जाता है, तो यह कवरेज लॉकसेट को बदलने या मरम्मत करने की लागत को कवर करेगा।

उपभोज्य कवर
बेस प्लान लुब्रिकेंट, गियरबॉक्स और इंजन ऑयल, नट और बोल्ट, ग्रीस इत्यादि जैसी उपभोग्य वस्तुओं को बदलने के खर्च को कवर नहीं करता है। हालांकि, इस ऐड-ऑन के साथ, आप किसी दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा, जैसे बाढ़ के बाद होने वाले उपभोग्य खर्चों के लिए कवर किए जाते हैं।

खबर संक्षेप

तीन पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे

गन्नौर। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की माता मनसा देवी गौधाम पंचकूला में हुई बैठक में गन्नौर के तीन पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग, राष्ट्रीय संगठन मंत्री दीपचंद अग्रवाल ने पदाधिकारियों को दिए। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन गन्नौर इकाई के अध्यक्ष राजकुमार , महामंत्री संदीप सिंघल, कोषाध्यक्ष कृष्ण व युवा इकाई से अध्यक्ष डॉ राकेश जैन, महामंत्री वरुण जैन पार्षद, कोषाध्यक्ष श्वेत मित्तल महिला इकाई की अध्यक्ष प्रिया , महामंत्री मनीषा जैन व सीमा गोयल को कोषाध्यक्ष चुना गया।

पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार किया

खरखौदा। किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष जगदीश चहल राठधना आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी की नीतियों व कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करने के लिए गांव आनंदपुर झरोठ पहुंचे और लोगों से संवाद स्थापित किया गया। जनसमूह को संबोधित करते उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जानबूझकर विभिन्न प्रकार की आईडी बना कर आमजन को भ्रमित करने काम कर रही है। व्यक्ति के लिए की आईडी बनवा पाना मुश्किल होता है। सरकारी योजनाओं का लाभ देने की बजाय हर महीने एक नए किस्म का पोर्टल लॉन्च कर दिया जाता है।

ई श्रम कार्ड शिविर का आयोजन आज

सोनीपत। राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंस्था परशुराम सेना सोनीपत द्वारा रविवार 07 जुलाई 2024 को श्री सनातन धर्म सभा दुर्गा मंदिर मोहल्ला कलां सोनीपत में एक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे सोनीपत के सभी पुजारी व पुरोहितों जोकि किसी भी मंदिर में पुजारी है या शहर में पुरोहित का काम कर रहे है उनका कार्ड बनाया जायेगा। जिससे उनको आने वाले समय में सरकार द्वारा चलाये जाने वाली योजनाओ का लाभ मिल सके।

एक महीने पहले प्रारंभ हुआ था सड़क का निर्माण कार्य

सनपेड़ा रोड रिपेयरिंग का काम फिर रुका,लोग दुःखी

पीडब्ल्यूडी विभाग ने सड़क पर रोड़े डालकर छोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

पिछले कई वर्षों से जर्जर अवस्था में पड़े सनपेड़ा रोड की रिपेयरिंग का कार्य फिर रुक गया है। पिछले महीने ही पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया गया था। पहले चरण में जीटी रोड सनपेड़ा रोड से हनुमान धर्म कांटा तक सड़क की रिपेयरिंग का काम किया जाना था, लेकिन सड़क के कुछ हिस्से पर रोड़े डाल कर उसका निर्माण विभाग द्वारा रोक दिया गया है।

जिससे स्थानीय लोगों की सड़क निर्माण की उम्मीद फिर से टूट गई। जीटी रोड से रामनगर वाया सनपेड़ा सड़क मार्ग पर 3 करोड़ 30 लाख रुपये खर्च किए जाने है। जीटी रोड से लेकर गांव सनपेड़ा व रामनगर तक की करीब 6 किलोमीटर सड़क की हालत बहुत ही जर्जर है। कई जगह पर तो तीन-चार फुट गहरे गड्ढे हैं, जिस कारण सड़क मार्ग पर वाहन चालकों को वहां से गुजरने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सड़क इतनी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि वाहनों को रेंग-रेंग कर चलना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस रोड पर रामनगर तक करीब 70 से 80 फैक्ट्रियां लगी हुई है। जिनमें सामान लाने व ले जाने में ट्रक चालकों को बहुत ही दिक्कत आ रही है।

बरसात के मौसम में तो सड़क मार्ग पर बने गड्ढों में पानी भर जाता है। जिस कारण वहां से गुजरने पर कई वाहन चालक गिर कर चोटिल भी हो चुके हैं।

गन्नौर। बुरी तरह से क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ा सनपेड़ा रोड। *फोटो :हरिभूमि*

अधिकारियों से करेंगें बातः एसडीएम

एसडीएम डा. निर्मल नागर ने कहा कि सड़क रिपेयरिंग के काम रुका है तो वह पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों से बात करेंगे। यह भी सुनिश्चित करेंगे कि सड़क निर्माण का कार्य जल्द शुरू हो जाए।

पहले आचार संहिता से अटका था काम

कई वर्षों से सनपेड़ा सड़क की हालत दयनीय है। तीन महीने पहले सरकार द्वारा निर्माण की स्वीकृति दी गई जिसके बाद विभाग द्वारा टेंडर लगा दिया गया था। इस बीच आचार संहिता की वजह से काम अटक गया था।

150 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य जांचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

स्वास्थ्य जांच शिविर में पूर्व मंत्री कविता जैन, भाजपा नेता राजीव जैन एवं अन्य।

सीएम के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव जैन के पिताजी सत्यपाल जैन के स्मृति दिवस को कार्यकर्ताओं ने सेवा दिवस के रूप में मनाया। इसके लिए पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन एवं पूर्व मीडिया सलाहकार जैन ने सबका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसेवा के लिए राजनीति से बड़ा कोई मंच नहीं और लोगों की सेवा से बढकर कोई परोपकार भी नहीं है। शनिवार को स्वास्थ्य शिविर की शुरूआत उनके कार्यालय पुरखास अड्डा से हुई, जिसमे लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। शिविर में नेत्र जांच एवं अन्य स्वास्थ्य जांच का शुभारंभ किया, जिसमें 150 से अधिक लोगों ने अपनी नेत्र व स्वास्थ्य जांच करवाई। ये स्वास्थ्य जाँच शिविर संजोग हस्पताल एवं साथी फाउंडेशन के सौजन्य से आयोजित किया गया। अस्पताल की टीम के सदस्यगण संजय जैन, भारत दुआ, जगदीश धनखड़ मौजूद रहे। इस अवसर पर जगबीर छिक्कारा, सुरेंद्र खत्री, सुरेश कथूरिया, संजय ठेकेदार, संजीव वलेचा, संजीव जैन, मुकेश अण्डी, वेद सिंह, सतपाल, जोगेन्दर सेठा, हरीश खटीक, रघबीर डाबला, दीपक पांचाल, प्रवेश आंतिल मौजूद रहे।

शिविर में 90 नागरिकों ने कमाया रक्तदान का पुण्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शनिवार को वेलकम फाउंडेशन, गोहाना द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर रक्तदान शिविर आयोजिन किया गया। शिविर शहर में पुराने बस अड्डे पर स्थित छोटू राम चौक में आयोजित हुआ जिसमें 90 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

शिविर का संयोजन संस्था के सचिव ज्ञानेंद्र रोहिल्ला ने किया। अध्यक्षता संस्था के संस्थापक केसी शर्मा ने की। मुख्य अतिथि भाजपा के दिग्गज नेता इंद्रजीत विरमानी और विशिष्ट अतिथि भाजपा बुटाना मंडल अध्यक्ष आशीष भनवाला के साथ हारट्रॉन गोहाना के एमडी सतीश शर्मा रहे। अतिथियों ने रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। इस शिविर में वैभव, अमरदीप, अंकित, अनिल, संदीप, नरेंद्र एवम् मनोज ने पहली बार रक्तदान किया। नियमित रक्तदाताओं में नकुल, सोनिया, गुलाब, आशीष भनवाल, नीरज, मोहित, रवि, अमित, विकास, गायत्री देवी, बिटू एवं कुलदीप नरवाल ने रक्तदान किया। शिविर के आयोजन में जयवीर कौशिक, मनोज कौशिक, दीपक शर्मा, रामपाल दहिया, जितेन्द्र शर्मा, मनजीत कुमार और विनोद भारद्वाज का विशेष सहयोग रहा।

उप-प्रधानमंत्री जगजीवन राम को किया नमन

गोहाना। गोहाना हलके के कांग्रेस विधायक जगबीर सिंह मलिक ने शनिवार को कहा कि दिवंगत उप-प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष थे। वह बाबू जगजीवन राम की 38वीं पुण्यतिथि पर समता चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर कांग्रेस कार्यकताअरं के साथ माल्यार्पण कर रहे थे। अध्यक्षता कांग्रेस के बैकवर्ड प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव आजाद सिंह ढांगी ने की।

जगबीर सिंह मलिक ने कहा कि पचास साल के संसदीय जीवन में बाबू जगजीवन राम का समर्पण और निष्ठा अद्वितीय रहे। उन्होंने सदियों से शोषित और उत्पीड़ित दलितों और मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए ताउम्र संघर्ष किया। आजाद सिंह ढांगी ने कहा कि बाबू जगजीवन राम ने कभी भी अन्याय से समझौता नहीं किया। 78 साल की उम्र में राजनीति के इस पुरोधा का 6 जुलाई 1986 को स्वर्गवास हो गया। कार्यक्रम में मनोज नैन, जगदीश राय मदीना, बंसी वाल्मीकि, नफे सिंह चौहान, ऋषिपाल बैरागी, राजपाल कश्यप, सतबीर पौड़िया, राजबीर शर्मा आदि भी उपस्थित रहे।

विधायक ने नए पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शनिवार को शहर में नए बस स्टैंड के निकट स्थित अपने कार्यालय में बरोदा हलके के कांग्रेस विधायक इंदुराज नरवाल ने एससी विभाग के नए पदाधिकारियों में नियुक्ति पत्र वितरित किए। उनके अनुसार ये नई नियुक्तियां विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान और रोहतक के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के निर्देश पर की गई हैं। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह की अध्यक्षता एससी विभाग के सोनीपत जिले के अध्यक्ष जगशेर नूरनखेड़ा ने की। कार्यक्रम में बरोदा हलके के हलका और ब्लॉक स्तर के नए पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। मदीना गांव के पूर्व सरपंच राजा मोगरा को बरोदा हलके का अध्यक्ष बनाया गया। इसी क्रम में भगत राम मोई को गोहाना ब्लॉक, पवन ठसका को कथूरा ब्लॉक और विक्रम बुटाना को मुंडलाना ब्लॉक का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

गोहाना। नियुक्ति पत्र देते विधायक इन्दुराज नरवाल। *फोटो :हरिभूमि*

सामाजिक न्याय के अग्रदूत जगजीवन राम को किया याद

समता चौक में बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह

- प्रतिनिधियों ने जगजीवन राम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सामाजिक न्याय क्रांति के अग्रदूत बाबू जगजीवन राम की 38वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को शहर के समता चौक में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। बाबू जगजीवन राम एक भारतीय राजनीतिज्ञ एवं भारत के प्रथम दलित उप प्रधानमंत्री थे। श्रद्धांजलि समारोह में सेवानिवृत प्राचार्य राममेहर मान, सेवानिवृत्त एसडीओ ओमप्रकाश मेहरा, महासचिव सामाजिक न्याय मंच से अशोक बामनिया,, हरियाणा वाल्मीकि महासभा के जिलाध्यक्ष रामू रामपाल वाल्मीकि, पिछड़ा एवं अनुसूचित जाति महासभा गोहाना के अध्यक्ष धूला राम, महासभा के संरक्षक प्रो. शमशेर भंडेरी, अखिल भारतीय खटीक महासभ के सचिव अनिल चावला, पूर्व सरपंच बिजेंद्र चहल, जगत सिंह फौजी मदीना, गौरी शंकर वाल्मीकि व रवि वाल्मीकि सहित अन्य नागरिकों ने बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी।

बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि।

गरीब परिवारों को दिए प्लॉटों का इंतकाल करवाए सरकार : संजय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जुआ-करेवड़ी माजरा गांव में जनसंपर्क अभियान के तहत जिला पार्षद संजय बड़वासिया ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। संजय ने सरकार से मांग करते कहा कि 100-100 गज के काटे गए प्लाटों पर पक्की गलियां, पानी, पार्क, सीवर की व्यवस्था करें। 100 गज के प्लाटों के जो इंतकाल है अभी तक नहीं हुई है लगभग 80% गांव के इंतकाल पेंडिंग पड़े हुए हैं। सरकार से मांग करते हुए कहा कि जल्द से जल्द गरीब परिवारों की मांगों को पूरा किया जाए और जिन बीपीएल परिवारों को 100 गज के प्लांट नहीं मिले हैं उनका दोबारा से सर्वे करवाकर उन्हें प्लाट देने का काम करें। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ गरीब परिवारों को नहीं मिल रहा है, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अधिकतर गरीब परिवारों को मकान बनाने के लिए किस्त जारी नहीं की गई है। अपना मकान बनाने के लिए ये लोग लगातार सरकारी कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं।

जनसंपर्क अभियान के तहत ग्रामीणों के साथ जिला पार्षद संजय बड़वासनिया।

संस्कृत भाषा के महान कवि थे कालिदास : सुरेश सेतिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शहर में पुराना बस अड्डा स्थित सत नगर में शनिवार को महाकवि कालिदास दिवस मनाया गया। यह समारोह आजाद हिंद देशभक्त मोर्चे के निदेशक डॉ. सुरेश सेतिया के निवास पर आयोजित हुआ जिसमें नागरिकों ने महाकवि कालिदास के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। समारोह की अध्यक्षता मोर्चे के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने की। मुख्य वक्ता डॉ. सुरेश सेतिया ने कहा कि कालिदास संस्कृत भाषा के विद्वान, महान कवि एवं नाटककार थे। विवाह से पहले वे अज्ञानी थे। पत्नी विद्वोतमा के धिकारने के बाद उन्होंने ज्ञान प्राप्त करने की प्रतिज्ञा पूर्ण की। उन्होंने भारत की पौराणिक कथाओं और दर्शन को आधार मानकर सुंदर, सरल और अलंकार युक्त भाषा में अपनी रचनाएं की। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से भारत को एक नई दिशा देने की कोशिश की। मोर्चे के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा कि साहित्य के अभी तक हुए महान कवियों में कालिदास अद्वितीय थे। आज उनकी गणना दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कवियों में की जाती है। संस्कृत साहित्य में अभी तक कालिदास जैसा कोई दूसरा कवि पैदा नहीं हुआ। इस मौके पर सुभाष शर्मा, उधम सिंह, सतबीर पौड़िया, राजपाल कश्यप, सुषमा सेतिया, जानकी आदि मौजूद थे।

अभियान चलाकर रोपित किए 35 पौधे

- जनहित अभियान फाउंडेशन ने गांव लहराड़ा में चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जनहित अभियान फाउंडेशन द्वारा गांव लहराड़ा की खाली पड़े स्थानों पर पौधा रोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर बिशन सरोहा ने पौधा लगाकर अभियान को शुरू किया और कहा कि सभी को अपने गांव की खाली पड़ी जमीन पर पौधा रोपण करे, ताकि पर्यावरण को बचाया जा सके। फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि आज की मुहिम में फलदार व छायादार नीम, जामुन, बेलगिरी के 35 पौधे लगाए गए व सभी से निवेदन किया कि इस मुहिम को एक जनांदोलन बनाएं। इस अवसर पर समाज सेवी स्टेट अवॉर्डी हिंदी प्रवक्ता दिलबाग सिंह, अंग्रेजी प्रवक्ता पूर्ण सिंह, गणित प्रवक्ता संजय सिंह, सुनील दहिया, मुकेश नागर, मनमोहन ठेकेदार आदि उपस्थित रहे।

सोनीपत। पौधरोपण करते फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

सम्मान

हिमाचल में राज्यस्तरीय एडवेंचर कैंप का आयोजन

जीवीएम की कार्यक्रम अधिकारी रूचिका को बेहतरीन उपलब्धियों के लिए प्रशंसा पत्र से किया सुशोभित

एनएसएस की छात्रा खुशी एडवेंचर शिविर में हिस्सा लेकर वापस लौटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जीवीएम गर्ल्स कॉलेज की एनएसएस की स्वयं सेविका खुशी हिमाचल प्रदेश में आयोजित किए गए राज्य स्तरीय एडवेंचर कैम्प में हिस्सा लेकर लौटी। वहीं कॉलेज की कार्यक्रम अधिकारी रूचिका विरमानी को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक ने बेहतरीन उपलब्धियों के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर सुशोभित किया।

संस्था के प्रधान डॉ ओ पी परूथी व प्राचार्या मंजुला स्याह ने प्राध्यापिका रूचिका व उनकी छात्रा खुशी को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। जीवीएम की एनएसएस इकाई की कार्यक्रम अधिकारी रूचिका विरमानी ने बताया कि एनएसएस ने विशेष रूप से छात्राओं के लिए जिस्पा लाहौल स्पिति हिमाचल प्रदेश में प्रदेश स्तर पर एक एडवेंचर कैम्प का आयोजन किया। कैम्प 25 जून से 4 जुलाई तक आयोजित किया गया, जिसमें जीवीएम की बीकॉम ऑनर्स द्वितीय वर्ष की छात्रा खुशी का भी चयन हुआ। प्राचार्या डॉ मंजुला स्याह ने खुशी के साथ रूचिका विरमानी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सुखद संयोग है कि गुरू-शिष्य को एक साथ बधाई देने का अवसर मिला है।

सोनीपत। छात्रा खुशी व कार्यक्रम अधिकारी रूचिका के साथ प्राचार्या। *फोटो :हरिभूमि*

सीआरपीएफ कैंप के सामने से वाहन चोरी

- पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को दी शिकायत, मुकदमा दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

बहालगढ़ थाना क्षेत्र में सीआरपीएफ कैंप के सामने शराब की दुकान के सामने खड़े दो-पहिया वाहन के चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी।

पुलिस ने इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस चोर का पता लगाने के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग हाथ लग सके। पानीपत निवासी कुलदीप सिंह ने बताया कि वह अपने काम से आया हुआ था। उसने अपनी बुलेट बाइक को सीआरपीएफ कैंप के सामने खड़ा किया था। रात को करीब 11.30 बजे चोरी हो गई। अपने स्तर पर बाइक क तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी एसआई अनिल कुमार ने बताया कि क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाली जा रही है। जल्द से जल्द बाइक चोर का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

सूचना

मैं सुनीता खत्री पत्नी बिजेंद्र सिंह H. NO. 312, Street No.05, Ward No. 10 Near Kuldeep Narsari, Jiwan Vihar, Sonipat Tehsil & Distt. Haryana, India Pin 131001 की रहने वाली हुं। मैंने अपना नाम सुनीता खत्री से बदलकर सुनीता देवी कर लिया है। भविष्य में मुझे सुनीता देवी के नाम से

सूचना

मैं बिजेंद्र खत्री पुत्र बलबीर सिंह H. NO.312, Street No. 05, Ward No. 10 Near Kuldeep Narsari, Jiwan Vihar, Sonipat Tehsil & Distt. Haryana, India Pin 131001 का रहने वाला हुं। मैंने अपना नाम बिजेंद्र खत्री से बदलकर बिजेंद्र सिंह कर लिया है। भविष्य में मुझे बिजेंद्र सिंह के नाम से जाना जाएं।

खबर संक्षेप

जल संरक्षण को लेकर निकाली प्रभातफेरी

खरखौदा। शनिवार को यूथ एंड इको क्लब के तत्वाधान में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मटिंडू के विद्यार्थियों ने जल संरक्षण को लेकर प्रभात फेरी निकाली। प्राचार्य प्रमोद कुमार ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को जल की महत्ता से अवगत कराया। इको क्लब अधिकारी डॉ हरि दर्शन ने स्कूली बच्चों को जलघर ले जाकर जल संरक्षण के बारे में जन स्वास्थ्य अधिकारी के माध्यम से विस्तृत जानकारी साझा की। बच्चों को जागरूक करने के लिए मेजर नरसिंह, सुनील शास्त्री, उर्वशी, सुमन, गुरप्रताप आदि ने अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए।

सड़क हादसे में घायल ने पीजीआई में तोड़ा दम

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र में सेरसा जाटी सड़क मार्ग पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन चालक ने युवक को चपेट में ले लिया। हादसे में घायल को राहगीरों की मदद से उपचार के लिए अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। पीजीआई में उपचार के दौरान घायल की मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया।

बच्चों को प्राथमिक चिकित्सा के टिप्स दिए

रोहतक। जिला रेडक्रॉस सोसाइटी की टीम ने मॉडल स्कूल के बच्चों को प्राथमिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं के बारे में बारीकी से समझाया। फर्स्ट एड एंड होम नर्सिंग में प्राध्यापक दया सिंह व धीरज सैनी ने बताया कि किसी भी तरह की सड़क दुर्घटना, पानी में डूबना आदि में एंबुलेंस या डॉक्टर के पहुंचने से पहले दिए जाने वाले सबसे पहले उपचार को प्राथमिक चिकित्सा कहते हैं।

शिविर में अग्निशमन का प्रशिक्षण दिया

रोहतक। 2 हरियाणा कन्या वाहिनी एनसीसी रोहतक द्वारा कमान अधिकारी कर्नल अमित मैथ्यू के नेतृत्व में आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में शनिवार को अग्निशमन का प्रशिक्षण दिया गया। फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट द्वारा आग से दुर्घटना होने लगे तो किस प्रकार उससे बचा जाए इसकी जानकारी दी गई। साथ ही आग बुझाने के तरीके भी सिखाए। फायर ब्रिगेड का प्रयोग करके भी दिखाया।

युवक पर जानलेवा हमले के मामले में आरोपी काबू

रोहतक। पुलिस ने भालौठ निवासी युवक पर हुए जानलेवा हमले की वारदात में आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। आईएमटी थाना प्रभारी दिलबाग सिंह ने बताया कि भालौठ निवासी अमन की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरु की गई थी। जांच में सामने आया कि अमन ने मुकुल उर्फ़ भोलू को करीब 6 महीने पहले लोन पर ट्रैक्टर दिलवाया था।

आठ दिन से नाबालिग का नहीं लगा सुराग

संदिग्ध हालत में किशोरी लापता परिजनों ने छोटूराम चौक जाम किया

कार्यकारी थाना प्रभारी ने आधा घंटा बाद परिजनों को समझाकर मार्ग से जाम खुलवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शहर थाना क्षेत्र से सप्ताह भर पहले अपहृत हुई किशोरी का सुराग नहीं लगने पर बिफरे परिजनों ने परिचितों व आसपास के लोगों संग मिलकर छोटूराम चौक पर जाम लगा दिया। उनका आरोप था कि अपहृता उनसे पांच लाख रुपये की मांग कर रहा है। उसके बावजूद पुलिस ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। जिस पर कार्यकारी थाना प्रभारी ने आधा घंटा बाद उन्हें समझाकर मार्ग से हटाया और एसीपी राहुल देव से मुलाकात कराई। एसीपी ने ठोस कार्रवाई का आश्वासन दिया।

शहर थाना क्षेत्र से 15 वर्षीय किशोरी 29 जून को संदिग्ध अवस्था में लापता हो गई थी। मूलरूप से बिहार के रहने वाले परिवार ने शहर थाना में शिकायत दी तो पुलिस ने 30 जून को अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया। अभी तक किशोरी का सुराग नहीं लग सका है। किशोरी के परिचितों ने बताया कि उनके पास व्हाट्सएप पर कॉल आ रही है। जिसमें उनसे लडकी को छोड़ने की एवज में पांच लाख रुपये मांगे जा रहे हैं। अपहृता उन्हें कह रहे हैं कि लड़की पर वह 25-30 हजार रुपये खर्च कर चुके है। वह लगातार रुपये की मांग कर रहा है। शनिवार को तो आरोपी ने हद कर दी। उसने कॉल कर उनसे सिगरेट के लिए 250 रुपये की मांग की। परिजनों का आरोप है कि रुपये मांगे जाने के बारे में पुलिस को बताया था। उसके बाद भी कार्रवाई नहीं होती देख शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे वह आसपास के लोगों के साथ एकत्रित होकर सडक पर उतर आए। उन्होंने छोटूराम चौक पर जाम लगा दिया। उन्होंने मामले में कार्रवाई की मांग की। जिस पर कार्यकारी थाना प्रभारी राजेश कुमार मौके पर पहुंचे और परिवार को समझाकर जाम खुलवाया। उन्होंने परिवार के सदस्यों को एसीपी राहुल देव से मिलवाया। उन्होंने मामले में ठोस कार्रवाई का आश्वासन देकर परिवार को शांत कर दिया।

सोनीपत। सड़क जाम किए हुए परिजन। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। परिजनों को समझाते हुए पुलिस अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

पुलिस की टीम को राजस्थान भेजा गया

किशोरी के परिजनों का आरोप है कि कॉल करने वाले ने बताया कि वह राजस्थान के कोटा में होने की बात कही है। जिस पर पुलिस ने टीम को राजस्थान भेजा है।

जल्द होगा मामले का खुलासा

किशोरी के लापता होने की जानकारी मिलते ही अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले में लगातार सबूत जुटाने में लगी है। परिजनों ने मेरे से मुलाकात की थी। उन्हें पूरे मामले की जानकारी देकर संतुष्ट किया गया है। अब मिले इनपुट पर टीम को भेजा गया है। जल्द मामले का खुलासा किया जाएगा।
राजेश कुमार थाना प्रभारी

गोहाना। पौधे रोपते हुए डीबीएम पब्लिक स्कूल के बच्चे।

वन महोत्सव : पेड़ पृथ्वी पर हर जीव के प्राणदाता

- डीबीएम पब्लिक स्कूल में आयोजित वन महोत्सव में विद्यार्थियों ने रोपे पौधे
- पेड़ों से ही हर जीव को सांस के लिए प्राणवायु प्राप्त होती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गांव मदीना में गोहाना-महम मार्ग स्थित डीबीएम पब्लिक स्कूल में शनिवार को वन महोत्सव मनाया गया। समारोह में गुरु और शिष्यों ने पौधे रोप कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

स्कूल के एमडी विकास मलिक ने पौधारोपण करके वन महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पेड़ों का महत्व समझाते हुए कहा कि पेड़ पृथ्वी पर जीव के प्राणदाता हैं। पेड़ों से ही हर जीव को सांस के लिए प्राणवायु प्राप्त होती है। पेड़ों के बिना पृथ्वी पर जीवन संभव ही नहीं है। उन्होंने कहा कि पेड़ों की कमी से आज प्रकृति का मिजाज बदल रहा है और ग्लोबल वार्मिंग जैसी विकट समस्या बढ़ती जा रही है। पर्यावरण संरक्षण के लिए बरसात के मौसम में अधिक से अधिक पौधे लगाएं। वन महोत्सव में कक्षा तीसरी व चैथी से अभिनिती, अनितेज, रियान और अवनी ने पौधारोपण किया। गांव मदीना में गोहाना-महम मार्ग स्थित डीबीएम पब्लिक स्कूल में शनिवार को वन महोत्सव मनाया गया। प्राचार्या पूजा राणा ने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई।

शैक्षणिक खंड गोहाना के दिव्यांग बच्चों को कृत्रिम उपकरण बांटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शनिवार को शैक्षणिक खंड गोहाना के दिव्यांग बच्चों को कृत्रिम उपकरण वितरित किए गए। उपकरण वितरण समता चौकी के समीप स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य कम बीआरसी सतेंद्र कुमार ने किया।

शिविर में 4 व्हील चेयर, 1 ट्राइसाकिल, 1 सीपीसी हेयर, 3 रोलेटर व 2 कान की मशीन कृत्रित उपकरण वितरित किए गए। जिन दिव्यांग दिव्यांग बच्चों को कृत्रिम उपकरण दिए गए उनमें हितेश, हर्षित, चेष्टा, यशी, आशु, गौरव, तन्नू और ईशा शामिल रहे। इस शिविर के सफल आयोजन में विशेष अध्यापक बलराज, सुनीता, नीलम, आरती, रूकमणि, सामान्य अध्यापक डीपी जगविजय, हंसराम, अजमेर, सरोज, सुदेश, रिचा और सुमन का विशेष योगदान रहा।

गोहाना। दिव्यांग बच्चों को कृत्रिम उपकरण देते हुए प्राचार्य सतेंद्र दहिया, साथ में हैं स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

रुपये छीनने की आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र में मारपीट कर रुपये छीनने की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित दानिश अली निवासी हापुड़ का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपित को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने वारदात में शामिल सात आरोपितो को पहले गिरफ्तार कर लिया है।

कुंडली निवासी साजिद ने 25 अक्टूबर को पुलिस से शिकयात देकर बताया वह बस में सवार भरकर टिकरी बॉडर से हरदाई के लिए चला था। रात करीब 9.30 बजे केजीपी टोल पर पहुंचा। उसके कुछ आगे वैगनार कार में आए युवको ने बस को रोक लिया। उसके बाद कई युवको ने उस पर हमला कर लिया।

महिला विवि में एलएलएम में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में आज शैक्षणिक सत्र 2024-2025 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत संचालित मास्टर ऑफ लॉ (एलएलएम) पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।

कुलपति प्रो. सुदेश ने प्रवेश परीक्षा केन्द्र का दौरा किया और परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान परीक्षा नियंत्रक डॉ. संदीप दहिया एवं निदेशक जनसंपर्क ले. कर्नल (डॉ.) अनिल बल्हारा भी साथ रहे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. संदीप दहिया ने बताया कि एलएलएम पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले 87 अभ्यर्थियों में से 75 ने प्रवेश परीक्षा दी। प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। इस पाठ्यक्रम में 30 सीटें उपलब्ध हैं। डॉ. संदीप दहिया ने बताया कि इस प्रवेश परीक्षा का परिणाम 7 जुलाई को घोषित किया जाएगा। मेरिट लिस्ट के डिस्प्ले की तिथि व एडमिशन काउंसलिंग शेड्यूल समेत अन्य विस्तृत जानकारी महिला विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

गोहाना। एलएलएम प्रवेश परीक्षा के दौरान परीक्षा केन्द्र का दौरा करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश।

महिला के बयान पर आरोपित पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शहर थाना क्षेत्र में महिला ने डीटीसी में तैनात पति पर बेटे पर कैंची से हमला करने व उसके साथ्ज्ञ मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस संबंध में आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। सेक्टर-23 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी पुनम देवी ने बताया कि उसका पति डीटीसी में तैनात है। वह शराब के नशे में रहता है। उसके साथ मारपीट करता है। गत 5 जुलाई को शराब के नशे में घर पहुंचा। उसके लड़के हर्षित को गाली-गलौच करने लगा। विरोध करने पर कपड़े को काटने वाली कैंची उठाकर खुद को मारने लगा। उसके बेटे ने कैंची छीनने की कोशिश की गुस्से में आकर लड़के की बाजू को काट लिया। उसके बाद जान से मारने की धमकी देने लगा। कैंची की नोक उसके बेटे व उसके पति के हाथ में लग गई। उपचार के लिए उसे अस्पताल में लाया गया। जहां चिक्त्सिक ने उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी एसआई जसबीर सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द आरोपित के खिलाफ आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

शिविर लगाकर कक्षा 6वीं से 9वीं तक के विद्यार्थियों की सेहत जांची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शहर में गुढ़ा रोड पर स्थित गीता विद्या मंदिर में शनिवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा कक्षा 6 से 9 के विद्यार्थियों की सेहत जांची गई। चिकित्सक दल के मुखिया डॉ. कविराज ने परामर्श दिया कि गंभीर रोगों से बचाव के लिए नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य की जांच करवाएं।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर की अध्यक्षता प्रिंसिपल अश्विनी कुमार ने की। मार्गदर्शन स्कूल के प्रबंधक डॉ. मनोज शर्मा का रहा। चिकित्सक दल में डॉ. कविराज के साथ आयुष चिकित्सक डॉ. कविता यादव, दंत चिकित्सक डॉ. रवींद्र कुमार, फामेर्सी अधिकारी दिनेश कुमार और एएनएम सुनीता हुड्डा थे। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का परीक्षण करते हुए डॉ. कविराज ने खुलासा किया कि गोहाना शहर में किए गए सर्वेक्षण में विदित हुआ कि कुछ बच्चे खून की कमी एनीमिया से पीड़ित हैं। इस के चलते दांतों और आंखों की तकलीफें बढ़ रही हैं।

गोहाना। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का परीक्षण करते हुए विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

सोलर पैनल की तार चोरी करने वाले दो आरोपितों को वारंट पर लिया

- अदालत ने आरोपितो को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कुंडली थाना पुलिस ने खेत से सोलर पैनल की तार (कैबल) चोरी करने की वारदात में शामिल दो आरोपितो को प्रोडेक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित संजय निवासी लडरावन व अनिल निवासी खड़ोली का है। अदालत ने आरोपितों को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। गांव नाहरा निवासी प्रविंद्र ने गत 29 फरवरी को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि उसने अपने खेत में सोलर-पैनल जोकि डयूबवेल चलाने के लिए लगाया हुआ है।

किसी ने खेत से केबल तार चोरी कर ली। अपने स्तर पर सामान की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया था। जांच अधिकारी उप निरीक्षक अशोक की टीम ने दो आरोपितों को प्रोडेक्शन वारंट पर लेकर अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपितो को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

गाड़ी ले जाने के बाद उसमें रखे 2.65 लाख रुपये किए चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कुंडली थाना क्षेत्र स्थित एटलस फायर टेक कंपनी के मालिक ने कंप्यूटर ऑपरेटर पर उनकी गाड़ी व कार्यालय में रखे ब्रीफकेस से 2.65 लाख रुपये लेकर भागने का आरोप लगाया है। मालिक के बयान पर कुंडली थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एटलस फायर टेक कंपनी के मालिक मंशाराम ने कुंडली थाना पुलिस को बताया कि उनके पास उत्तराखंड के जिला चमोली के गांव रोंजी निवासी राजेश नेगी कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। उन्होंने बताया कि 26 जून को राजेश नेगी उनके कार्यालय से उनकी ब्रेजा गाड़ी की चाबी व ब्रीफकेस से 2.65 लाख रुपये निकाल लाया। उसके बाद वह उनकी गाड़ी व नकदी लेकर भाग गया। उन्होंने अपने स्तर पर आरोपित की तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। जिस पर उन्होंने पुलिस को मामले से अवगत कराया। पुलिस ने जांच के बाद आरोपित कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस टीम आरोपित की तलाश कर रही है। मामले के जांच अधिकारी अशोक देशवाल ने बताया कि शिकायत पर मुकदमा दर्ज करने के बाद आरोपित की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द से आरोपित को काबू कर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

खास बातें

- कुंडली स्थित एटलस फायर टेक कंपनी के मालिक ने किया मुकदमा
- चालक 26 जून को ले गया था गाड़ी, फिर उसमें रखी नकदी लेकर भाग गया
- उत्तराखंड के जिला चमोली के गांव रोंजी निवासी राजेश नेगी पर केस दर्ज

सेक्टर-7 के कम्युनिटी सेंटर में करियर काउंसलिंग सेमिनार

हर बच्चे में सफल होने की पूरी क्षमता: एडीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा सेक्टर-7 के कम्युनिटी सेंटर में करियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता सोनीपत के उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि हर बच्चे के अंदर जीवन में सफल होने की क्षमता छिपी होती है। केवल उसको सही दिशा में मेहनत करने की जरूरत है। उपायुक्त ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने और सफल होने के लिए सबसे जरूरी यह तय करना है कि आप बनना क्या चाहते हो। उन्होंने एक घोड़े का उदाहरण देते हुए कहा कि घोड़ा दौड़ तो तेज सकता है, लेकिन उसके तेज दौड़ने का तब फायदा है जब वह सही दिशा में दौड़ेगा। डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि सभी विद्यार्थी अपने मन में यह धारणा बैठा लें कि शॉर्टकट किसी का सफलता का सीधा रास्ता नहीं है इसलिए पूरी ईमानदारी व निष्ठा से कड़ी मेहनत करें। उन्होंने अध्यापकों को कहा कि लोहे की धातु से हथौड़ा भी तैयार किया जा सकता है तो उसी लोहे से एक घड़ी का निर्माण किया जा सकता है जो दूसरे लोगों को समय बताती है। जिला उपायुक्त बोले कि नकारात्मक सोच के व्यक्तियों से दूरी बनाकर रखें। कार्यक्रम में एसडीएम विवेक आर्य और डीईओ नवीन गुलिया ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस मौके पर जिला बाल कल्याण अधिकारी सुरेखा हुड्डा, बीईओ अनिल श्योराण और बसंत ढिल्लों, जिला बाल संरक्षण अधिकारी रितु गिल तथा एपीओ डॉ. अत्तर सिंह सहित अन्य अधिकारी व शिक्षक मौजूद रहे।

गोहाना। जिला उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार व एसडीएम विवेक आर्य को स्मृति चिह्न देते हुए परिषद के प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

अपने कीमती समय की बचत करें

एसडीएम विवेक आर्य ने कहा कि अपने कीमती समय की बचत करें एवं उसे व्यर्थ की बातों में न लगाएं। वे बोले कि सपने एक दिन में पूरे नहीं होते उनके लिए निरंतर प्रयास करने पड़ते हैं। डीईओ नवीन गुलिया ने कहा कि विद्यार्थी को सफल होने के लिए स्वयं के लिए ईमानदार बनने की जरूरत है, इसके लिए स्वयं की स्टडी करें, अपने भीतर झांक कर देखें और अवलोकन करें कि आज कितने घंटे पढ़ाई की है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 7 जुलाई 2024

स्वस्थ, निरोग और दीर्घायु की कामना अधिकांश लोग करते हैं। वास्तव में ये सब हासिल करना बहुत कठिन नहीं है। इसके लिए आपको अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव करने होंगे, कुछ गुड हैबिट्स अपनानी होंगी और कुछ बैड हैबिट्स को बाय-बाय कहना होगा। इसके बाद तो आप लाइफ की सेंचुरी लगा सकते हैं।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

अपनाएं ये हैबिट्स जिएंगे 100 साल

अलग-अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक इस समय पूरी दुनिया में 4,50,000 लोग ऐसे हैं, जो अपनी आयु का सैकड़ा लगा चुके हैं। आने वाले दिनों में उम्र की सेंचुरी लगाने में सफल होने वाले लोगों की संख्या और भी बढ़ सकती है। अगर आप भी अपनी लाइफ में सेंचुरी का आंकड़ा छूना चाहते हैं तो कुछ आदतों को अपने रुटीन में अपनाना होगा।

सोशल सर्किल हो बड़ा

अगर आप अनजान लोगों से भी आसानी से घुल-मिल जाते हैं, अपने सहकर्मियों के साथ जिंदादिली से मिलते हैं, रिश्तेदारों के साथ मिलते-जुलते रहते हैं, दोस्तों के साथ जमकर ठहाके लगाते हैं और परिवार के सदस्यों के साथ स्नेह और अपनेपन का संबंध रखते हैं, तो आपके शतकवीर होने की संभावना काफी ज्यादा है। जांस होपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में जेरियाट्रिक मेडिसिन (वृद्ध लोगों की चिकित्सा) के वरिष्ठ प्रोफेसर जेरेमी वाल्सटन कहते हैं, 'अकेले और गुमसुम रहने वाले लोग अकसर बीमार रहने लगते हैं।' दीर्घायु लोगों की खोज और उन पर अध्ययन करने के लिए दुनिया भर की सैर कर चुके नेशनल ज्योग्राफिक के शोधकर्ता डैन बटनर कहते हैं, 'इटली के सरडीनिया में सौ साल की आयु पार कर चुके लोगों की बड़ी संख्या है और ये लोग दोस्ती और जिंदादिली के कारण ही स्वस्थ और खुश रहते हैं। जब भी कोई व्यक्ति बीमार पड़ता है, उसका पड़ोसी तुरंत उसके पास पहुंच जाता है। इससे जल्द स्वस्थ होने में मदद मिलती है।'

खोजें जीने का मकसद

बिना मकसद की जिंदगी कुछ ऐसी ही होती है, जैसे बिना पते का लिफाफा। जिन्होंने अपने जीवन में ना कोई लक्ष्य तय कर रखा है और ना उन्हें जीने का मकसद मालूम है, उनकी जिंदगी में दिलचस्पी भी कम होती चली जाती है। लेकिन जो किसी मकसद से जीते हैं और किसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं, उनमें जिंदगी के प्रति उमंग रहती है और वे मानसिक और शारीरिक रूप से क्रियाशील रहते हैं। ऐसे लोग अकसर लंबी आयु जीते हैं। साइकोलॉजिकल साइंस जर्नल में प्रकाशित एक शोध में भी अनुसंधानकर्ताओं ने ऐसी राय जाहिर की है। न्यूयॉर्क सिटी (अमेरिका) के माउंट सिनाई में स्थित इशान स्कूल ऑफ मेडिसिन के जेरियाट्रिक्स प्रोफेसर रोजेन लीपजिंग कहते हैं कि आपको नए दोस्त बनाने चाहिए, नई हॉबीज अपनानी चाहिए और सामाजिक कार्यों में वालंटियर के तौर पर सपोर्ट देना चाहिए।

वेट पर रखें कंट्रोल

जिसने अपनी सेहत की लगाम ढीली छोड़ दी और वेट, डाइट पर कंट्रोल नहीं कर पाता है, उसके जिंदगी की फील्ड पर जल्दी आउट होने के चांस बढ़ जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स द्वारा किए गए शोधों के नतीजे बताते हैं कि जिन महिलाओं के कमर की माप 37 इंच या उससे ज्यादा थी, 40 वर्ष की उम्र के बाद उनकी आयु दूसरी महिलाओं (27 इंच या कम कमर वाली) की तुलना में 5 वर्ष तक कम हो सकती है। इसी प्रकार 35 इंच या कम कमर की माप वाले पुरुषों की तुलना में 43 इंच या उससे ज्यादा कमर के घेरे वाले पुरुषों की आयु में तीन साल तक की कटौती हो सकती है। जाहिर है, अगर आपने अपने कमर के घेरे यानी बॉडी वेट पर कंट्रोल कर रखा है तो आपकी आयु लंबी होने की संभावना बढ़ जाती है।

मिड एज में भी रहें फिजिकल एक्टिव

यंग एज में ही नहीं मिड एज में भी अगर आप खूब चलते-फिरते हैं, शारीरिक रूप से एक्टिव रहते हैं, तो बाद में भी आपके स्वस्थ रहने के चांस ज्यादा बढ़ जाते हैं। 'आर्चीव्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन' में प्रकाशित अध्ययन के नतीजे कुछ ऐसा ही संकेत करते हैं। मध्यवय के 19,000 वयस्कों पर अध्ययन करने के बाद सेहत विज्ञानियों ने पाया कि जो लोग इस उम्र तक फिट रहते हैं आगे चलकर उनमें हार्ट डिजीज, टाइप-2 डायबिटीज, कैंसर, अल्जाइमर्स आदि रोग होने की संभावना तुलनात्मक रूप से कम होती है। जांस होपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर जेरेमी वाल्सटन कहते हैं, 'जो लोग अपनी जिंदगी में भागते-दौड़ते रहते हैं, वॉकिंग करते है या साइकिल चलाते रहते हैं, वे लंबी आयु के स्वामी होते हैं।'

उपयोगी है दोपहर में झपकी

आप खूब काम करते हैं, सक्रिय रहते हैं फिर भी दोपहर में कुछ पल आराम के निकालते हैं और झपकी लेते हैं, तो आपके शतायु होने की संभावना में इजाफा हो जाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 23000 लोगों पर लगातार 6 सालों तक अध्ययन किया तो पाया कि जिन लोगों में दोपहर को 30 मिनट तक नींद लेने की आदत थी, उनमें अन्य लोगों की तुलना में हार्ट डिजीज से मरने का 37 फीसदी कम जोखिम था। ग्रीस के एक छोटे से गांव इकारिया में सौ वर्ष की आयु पार चुके लोगों की बड़ी संख्या है और उन सभी में कुछ देर दोपहर को नियमित सोने की आदत है।

ताजे फल-सब्जियों का सेवन

मिशिगन विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध में पता चला है कि फल और सब्जियों का भरपूर सेवन करने वाली महिलाओं की आयु, फल-सब्जी कम खाने वाली महिलाओं की तुलना में अधिक होती है। इन महिलाओं की फल-सब्जी खाने की आदत का पता लगाने के लिए वैज्ञानिकों ने इनसे पूछताछ के साथ इनके रक्त की जांच भी की। विशेषज्ञ बताते हैं कि दीर्घायु होने में फल-सब्जियों की महती भूमिका का जीता-जागता सबूत है जापान के ओकीनावा में रहने वाले शतायु बुजुर्ग। इस शहर में दुनिया की किसी भी दूसरी जगह के मुकाबले सबसे ज्यादा सौ वर्षीय या ज्यादा उम्र के लोग रहते हैं। यहां प्रति लाख 50 लोग सौ साल से ज्यादा उम्र के मिलेंगे। इस शहर के लोगों में प्लांट बेस्ड डाइट खाने की आदत है। इनमें से ज्यादातर लोग इन फल-सब्जियों को खुद अपने बगीचे में उगाना पसंद करते हैं। *

ये हैबिट्स भी हैं कारगर

- **अगर आप** जिंदादिल, हंसोड़ और आशावादी हैं तो आपकी आयु सौ के पार जाने में ज्यादा कठिनाई नहीं होगी। 'एजिंग' जर्नल में प्रकाशित एक शोध के नतीजों से पता चला है कि ऐसे लोग स्ट्रेस और एंजायटी से बचे रहते हैं, इसलिए इनकी आयु रूखे स्वभाव वाले लोगों की तुलना में ज्यादा होती है।
- आप खुद को असली उम्र से कम फील करते हैं और अकसर दूसरे लोग भी ऐसा ही आकलन करते हैं, तो तय मानिए कि आप चिरायु होंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को वास्तविक उम्र से अधिक का समझने वाले और जल्दी ही बूढ़े दिखने वाले लोग अकसर कम उम्र में ही चल बसते हैं।
- आप मेडिटरेनियन डाइट लेते हैं तो आपकी आयु शर्तिया ज्यादा होगी। साबुत अनाज, मेवे, लेग्यूम्स, ऑलिव आयल के साथ-साथ फलों और सब्जियों का सेवन करने से शरीर को भरपूर पोषण मिलता है और कोशिकाएं निरंतर रीजेनरेट होती रहती हैं।

हियरिंग लॉस की वजह बनता हेडफोन-ईयरफोन

जब से स्मार्टफोन और उससे कनेक्टेड हेडफोन/ईयरफोन का ट्रेंड बढ़ा है, दुनिया भर में हियरिंग लॉस के केसेस में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। यह हैबिट कितनी हार्मफुल है और इससे बचना कितना जरूरी है, आपको पता होना चाहिए।

{ टेक्नोबिहेवियर / डॉ. मोनिका शर्मा }

पार्श्व गायिका अलका याग्निक ने पिछले दिनों खुलासा किया था कि वे सुनने से जुड़े एक दुर्लभ डिसऑर्डर की शिकार हो गई हैं। अपनी सुरीली आवाज के लिए जानी जाने वाली इस चर्चित गायिका के अनुसार, 'डॉक्टर्स ने मुझे बताया कि मैं सेंसरी न्यूरल नर्व हियरिंग लॉस का शिकार हो गई हूं। वायरल अटैक के कारण इस बहरेपन का पता चला है।' अपनी स्वास्थ्य समस्या को साझा करते हुए अलका याग्निक ने लोगों को बहुत तेज संगीत और हेडफोन से फास्ट म्यूजिक सुनने को लेकर सावधान किया है। देश के एक चर्चित चेहरे की यह सलाह बहुत से लोगों के लिए चेतावनी के समान है। मौजूदा दौर में हर ओर यही देखने में आता है कि एक्सरसाइज, वॉक, ट्रैवलिंग या फिर दूसरे कोई घरेलू काम निपटाते हुए भी बहुत से लोग ईयरफोन या हेडफोन लगाए रहते हैं। यह अपने परिवेश से खुद को अलग करने वाला बर्ताव तो है ही, बीमारियों को न्योता देने वाली आदत भी है। जरूरी है कि समय रहते सजगता बरती जाए।

हेल्थ पर भारी स्टाइल स्टेटमेंट: बिना सोचे-समझे स्टाइलिश दिखने के लिए इस्तेमाल की जा रहीं ऐसी तकनीकी सौगातें, अब हेल्थ के लिए रिस्क पैदा करने लगी हैं। असल में बिना अनुशासन के काम में ली जा रही हर चीज के खामियाजे होते ही हैं। सबसे पहले तो यह समझना जरूरी है कि हरदम हेडफोन या ईयरफोन लगाए रखने में फैशनेबल दिखने जैसी कोई बात नहीं है। तकनीक से मिली बहुत सुविधाओं में यह भी एक सुविधा भर है, जिसके इस्तेमाल की अति, हेल्थ प्रॉब्लम्स का कारण बनती है। हर समय हेडफोन या ईयरफोन लगाए रखना सीधे-सीधे हमारी सुनने की क्षमता को प्रभावित करता है। इतना ही नहीं बाहरी शोरगुल से बचाने वाली यह तकनीक, हमारी मनःस्थिति के लिए घातक है। दूसरों से बोलने-बतियाने से लेकर किसी विशेष परिस्थिति में सहज बने रहने तक, बहुत आम सी बातें व्यवहार से गायब हो जाती हैं।

कई रोगों का कारण: ईयरफोन या हेडफोन से तेज संगीत सुनना, केवल हियरिंग लॉस ही नहीं करता बल्कि शरीर के दूसरे अंगों पर भी दुष्प्रभाव डालता है। यूं लगातार म्यूजिक सुनते रहने से मेंटल और इमोशनल सेहत भी प्रभावित होती है। असल में इंसान के कानों की सुनने की क्षमता केवल 90 डेसिबल होती है। लगातार तेज आवाज का कानों में गूंजते रहना इसे 40-50 डेसिबल तक कम कर सकता है। इतना ही नहीं यूं हरदम म्यूजिक सुनते रहना दिल की धड़कनें भी बढ़ा देता है। इससे हृदय से जुड़ी परेशानियां भी होने लगती हैं। इसके अलावा सिरदर्द, अनिद्रा, तनाव, एकाग्रता की कमी और कानों में इंफेक्शन होने जैसी समस्याएं भी सामने आने लगती हैं।

स्मार्ट फोन का सधा इस्तेमाल जरूरी: हरदम कुछ ना कुछ सुनते रहने की आदत से बचने के लिए स्मार्ट फोन की लत से बचना पहला कदम है। आज के समय में हर कहीं इंटरनेट का उपलब्ध होना और डिजिटल मीडिया में देखने-सुनने के लिए मौजूद सामग्री की भरमार भी यूजर्स द्वारा हर पल कानों में ईयरफोन लगाए रखने का कारण बन रही है। ऐसे में जरूरी है मीटिंग्स, स्कूल-कॉलेज की क्लास या आवश्यक बातचीत के लिए कुछ समय ईयरफोन का इस्तेमाल किया जा सकता है पर लंबे समय तक ऐसा करना घातक है। इससे धीरे-धीरे सुनने और समझने की क्षमता भी प्रभावित होने लगती है। ड्राइविंग के दौरान हेडफोन या ईयरफोन लगाए रहना अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी जोखिम पैदा करने वाला बर्ताव है। घर-परिवार में ईयरफोन लगाकर रखने वाले लोग अपनों की बात भी सहजता से नहीं सुनते-समझते। यह स्थिति सार्थक संवाद में बाधा बनती है। असल में टेक्नोलॉजिकल रेवोल्यूशन के नाम पर अपने परिवेश से दूर होने के अनगिनत खामियाजे हैं। स्मार्टफोन और इंटरनेट को एक सौगात की तरह समझते हुए सधकर इन सुविधाओं का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है।

पैरेंट्स रखें बच्चों का ध्यान: कैलिफोर्निया के ऑस्टियोपैथिक बाल रोग विशेषज्ञ, जेम्स ई. फॉय, कहते हैं कि लंबे समय तक तेज आवाज में हेडफोन सुनने से बच्चों और किशोरों में हमेशा के लिए सुनने की क्षमता कम हो सकती है। असल में हेडफोन और हियरिंग लॉस का सीधा संबंध है। मौजूदा समय में 5 में से 1 किशोर किसी न किसी रूप में हियरिंग लॉस का अनुभव करता है। बीते 20 साल में यह आंकड़ा लगभग 30 फीसदी बढ़ गया है। हियरिंग लॉस के बढ़ते आंकड़े के पीछे हेडफोन का बढ़ता इस्तेमाल अहम वजह है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन का अनुमान है कि दुनिया भर में करीब 1 अरब युवा ईयरफोन लगाकर सुनने की असुरक्षित आदतों के कारण सुनने की क्षमता खोने के जोखिम में हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ द्वारा यह चेतावनी भी दी जा चुकी है कि ईयरफोन के अधिक इस्तेमाल से 2050 तक 70 करोड़ से ज्यादा लोग हियरिंग लॉस का शिकार बन सकते हैं। ऐसे में पैरेंट्स समय रहते अपने बच्चों को इन तकनीकी सुविधाओं के इस्तेमाल की अति से बचाएं। *

{ लघुकथा / अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन' }

अजूबा

रोज अपनी कालोनी से मिंटो पार्क तक सुबह साथ-साथ टहलने जाने और घंटों साथ रहने वाले दोनों वृद्ध पड़ोसी इस बार एक सप्ताह के बाद मिले थे।

'कहो भाई वर्मा! कहां निकल गए थे। सुना है बहुत लंबा टूर कर आए। क्यों सब खैरियत तो है?' पड़ोसी माथुर जी ने पूछा।

'क्या बताऊं यार! अपनी लड़की की शादी के सिलसिले में निकला था। पहले मुजफ्फरपुर गया, वहां से रांची फिर हजारीबाग, इसके बाद पटना से बक्सर होते हुए कल ही वापस लौटा हूं। लेकिन इस यात्रा में एक अजूबा हुआ। तुम सुनोगे तो सहसा विश्वास नहीं करोगे।' वर्मा जी बोले। 'ऐ! अजूबा...? कैसा अजूबा...? मैं भी तो सुनूं जरा।' माथुर जी जानने के लिए आतुर हुए। ' हुआ यह कि मैं पूरे एक हफ्ते बस और ट्रेन की यात्रा करता रहा, लेकिन रास्ते में कहीं भी किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना नहीं हुई। ना कोई एक्सीडेंट, ना कहीं तोड़-फोड़, ना चक्काजाम, ना प्रदर्शन, ना ट्रेन डकैती, ना बस में चोरी, ना लूटपाट... कुछ भी नहीं हुआ। कहीं कोई वारदात नहीं हुई। मैं जैसे गया था, यहां से वैसे ही सकुशल वापस आ गया। बोलो है न अजूबे की बात?'

माथुर जी तुरंत बोले, 'बस... इतनी सी बात। अब मेरी सुनो। मेरे साथ तो इससे भी अधिक अजूबे की बात हुई। तुम्हें तो पता ही है कि गांव में मेरी थोड़ी-सी पुश्तैनी जमीन पड़ी हुई थी।'

मैंने सोचा बच्चों को तो अब लौट कर गांव जाना नहीं है और अपनी जिंदगी का कोई भरोसा नहीं, पका आम हूं कब टपक पड़ूं, पता नहीं। सो मन हुआ कि उस जमीन को बेच दूं। इसी सिलसिले में मैं गांव गया था। सचमुच यार! मुझे यह देख कर बहुत हैरानी हुई कि तहसील की खसरा, खतौनी में वह जमीन अभी भी मेरे ही नाम थी। बताओ यह अजूबे की बात नहीं तो भला और क्या है? और उससे भी अधिक अजूबे की बात तो यह हुई कि मैं उस जमीन को बेच कर, पूरे अस्सी हजार रुपए नकद लेकर अपने गांव से यहां तक बिल्कुल सही-सलामत वापस आ गया।' माथुर जी ने अपने पड़ोसी वर्मा जी से कहा।

'हूं...! बात तो वाकई अजूबे की है!' कह कर वर्मा जी ने एक गहरी सांस ली। इसके बाद दोनों कुछ देर खामोश बैठे रहे। उन्हें मन ही मन बहुत आश्चर्य हो रहा था। *

उनके भीतर निंदा रस का स्राव होता रहता है। वे जितना अधिक निंदा करते हैं, उनकी कोशिकाएं उतनी ही फलती-फूलती हैं। लगता है उनकी यह आदत डीएनए की तरह ही अजर-अमर है। उनके भीतर के डीएनए को भी सदा जीवित रहने के लिए वरदान प्राप्त है। उनकी कोशिकाएं भी गॉसिप से ही ताजी बनी रहती हैं।

इधर की इनफॉर्मेशन उधर करने वाले

{ व्यंग्य / सतीश उपाध्याय }

किसी की शादी, जलसा हो या ऑफिस में किसी की ज्वॉइनिंग या रिटायरमेंट सबसे पहले 'उन्हीं' को जानकारी मिलती है। फटाक से जानकारी हासिल करने के मामले में उनकी 'सोशल स्किल' बहुत तगड़ी है। वे चुगली नहीं करते बल्कि नई इनफॉर्मेशन को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने का काम करते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है, गॉसिपिंग के मामले में उनके ब्रेन की संरचना पर रिसर्च भी किया जा सकता है।

किसी की लाइफ में कोई परेशानी हो या कोई फील गुड, वे तो ताड़ ही जाते हैं। ताड़ने के बाद, फिर वे अर्जित जानकारी का 'तिल का ताड़' बना देते हैं। इस काम में भी वे इतने परफेक्ट हैं कि लगता है कि ये खूबी उनको अपने ही डीएनए से मिली है। उनके भीतर निंदा रस का स्राव होता रहता है। वे जितना अधिक निंदा करते हैं, उनकी कोशिकाएं उतनी ही फलती-फूलती हैं। लगता है उनकी यह आदत डीएनए की तरह ही अजर-अमर है। उनके भीतर के डीएनए को भी सदा जीवित रहने के लिए वरदान प्राप्त है। उनकी कोशिकाएं भी गॉसिप से ही ताजी बनी रहती हैं। सोसाइटी के बाकी लोगों से अलग हटकर उनमें कई खूबियां हैं। वे गजब हैं, टॉमी की तरह तेज घ्राणशक्ति भी रखते हैं। उनकी आदत, ऑफिस हो या कोई भी लोकेलिटी, आस-पड़ोस सभी जगह सक्रिय रहती है। फैमिली, रिश्तेदार, पास-पड़ोस सबकी जिंदगी के बारे में उन्हें, उनके ही हिसाब से जानकारी रहती है। ऐसे ही लोगों के भीतर निंदा रस ज्यादा पाया जाता है। इसीलिए उनकी सोशल इनफॉर्मेशन बहुत तगड़ी है। यही निंदा रस उन्हें हेल्दी बनाए हुए है। वे निंदा कर फील गुड करते हैं। जब वे किसी की निंदा करते हैं, तब उनके भीतर ऑक्सीटोसिन हार्मोंस का स्तर बढ़ जाता है। इस हार्मोन की वजह से वह जब-जब जिसकी, जितनी गहरी निंदा करते, वे उस समय उतने ही प्रसन्न भी रहते हैं। तब उनके हार्मोंस का स्तर सिर चढ़कर बोलने लगता, अपनी बात की प्रामाणिकता के लिए कसम भी खाते और कान के एकदम नजदीक आकर फुसफुसाते, 'मैंने अपनी आंखों से देखा है।'

ऐसे लोगों के लिए ही कबीर ने कहा है- 'आंगन कुटी छवाय।' वे निकट बने रहेंगे तो हमारी कमजोरी पर उनकी निगाह रहेगी। हम दुरुस्त रहेंगे। अपने निंदारस को बढ़ाने के लिए वे प्रायः महफिल खोजते हैं। जहां वे अपनी स्किल को बढ़ा सकें। इससे उनके दिल और दिमाग की सेहत दुरुस्त रहती है। उनके बातचीत का केंद्रीय विषय दूसरों की निंदा ही होती है। इसी में उन्हें खुशी का एहसास होता है। जब तक दो-चार लोगों की, दूसरों की निंदा ना कर लें, वे बेचैन रहते हैं। उनके मस्तिष्क में कई मौलिक विचार जागृत होते रहते हैं। ऐसा लगता है, जिस प्रकार हर नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त है, उन्हें भी निंदा करने का अधिकार प्राप्त है। दूसरों की निंदा में उन्होंने जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा गुजारा है, शायद परमात्मा ने उन्हें जीवन निंदा करने के लिए ही दिया है। उनके हृदय में निंदा, उत्सव की तरह विराजमान रहता है। जब-जब वे निंदा करते हैं, तब-तब उनका उत्सव संपादित हो जाता है। उनके दिल में, कॉलोनी के लोगों से जुड़े अलग-अलग मौलिक किस्से मौजूद रहते हैं। अवकाश के दिनों में तो उनके पास रुमानियत के कई काल्पनिक किस्सों का इजाफा हो जाता है।

खैर वक्त तो लगा, वे पहचाने गए। समय के साथ पूरी कॉलोनी भी विवेकवान और उनसे सतर्क हो गई है। अब उनसे कॉलोनी बहुत दूर होती जा रही है। एक दिन पूरी कॉलोनी वालो ने ताड़ लिया कि वे हमारी 'आदर्श कॉलोनी' को छोड़कर 'समता कॉलोनी' शिफ्ट कर रहे हैं। *

जगन्नाथ रथ-यात्रा को भारतीय धर्म-संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है और यह यात्रा पुरी नगर के बाहर से आने वाले लोगों को भी सामूहिक आनंद और भक्ति का अनुभव कराती है। प्रत्येक वर्ष आषाढ़ माह में आयोजित होने वाली इस यात्रा में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु और पर्यटक शामिल होते हैं। आस्था-भक्ति का यह आयोजन अपनी भव्यता के लिए भी जाना जाता है।

भक्ति-संस्कृति का संगम

जगन्नाथ रथ-यात्रा

धार्मिक आयोजन / अलका 'सोनी'

भक्ति और प्रेम में असीम शक्ति होती है। इससे वशीभूत होकर स्वयं भगवान भी खिंचे चले आते हैं। हमारे देश में तो भक्तों की अपने आराध्य भगवान से अनोखे रिश्ते की परंपरा रही है। यहां हम अपने भगवान को कभी झूला झुलाते हैं तो कभी रथ पर बिठाकर प्रेम से भ्रमण कराते हैं। इसके लिए पथ बुहारने का काम राजे-महाराजे करते रहे हैं। ऐसे ही अपने आराध्य प्रभु जगन्नाथ के रथ को अपने हाथों से खींचते हुए भ्रमण कराना अद्भुत अनुभव देता है। माना जाता है कि जिसे रथ खींचने का सुअवसर मिलता है, वो सौभाग्यशाली होता है। वैसे तो रथ-यात्रा मूलतः ओडिशा का त्योहार है। लेकिन अब पूरे देश में श्रद्धालु प्रेमपूर्वक भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलरामजी की रथ-यात्रा निकालते हैं।

हिंदू धर्म में विशेष महत्व

हिंदू धर्म में भगवान जगन्नाथ, श्रीकृष्ण के एक रूप माने जाते हैं और भगवान विष्णु के अवतारों में श्रीकृष्ण को पूर्णावतार माना जाता है। इसलिए उनकी यात्रा को भी श्रद्धालुओं द्वारा अत्यधिक आदर और भक्ति के साथ पर्व के रूप में मनाया जाता है। रथ- यात्रा की परंपरा सदियों पुरानी है और इसे भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया है। इसकी जड़ें इतिहास में गहराई तक फैली हुई हैं, जो इसे विशेष बनाती हैं। जगन्नाथजी की रथ यात्रा ना केवल भारत में बल्कि विश्व भर में प्रसिद्ध है और हर साल देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु इसमें शामिल होने के लिए आते हैं।

सदियों पुरानी परंपरा

इतिहासकारों की मानें तो रथ-यात्रा की परंपरा, 12वीं सदी में शुरू हुई थी। हालांकि इस बारे में कुछ कथाएं भी प्रचलित हैं। एक कथा के अनुसार, जब राजा इंद्रद्युम्न ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी की मूर्तियां बनवाईं तो रानी गुंडिचा ने मूर्तियां बनाते हुए मूर्तिकार विश्वकर्मा और मूर्तियों को देख लिया, जिस वजह से मूर्तियां अधूरी ही रह गईं। तब आकाशवाणी हुई कि भगवान इसी रूप में स्थापित होना चाहते हैं। इसके बाद राजा ने इन्हीं अधूरी मूर्तियों को मंदिर में स्थापित करवा दिया। उस वक्त आकाशवाणी हुई कि भगवान जगन्नाथ साल में एक बार अपनी जन्मभूमि मथुरा जरूर आएंगे। स्कंद पुराण के उत्कल खंड के अनुसार राजा इंद्रद्युम्न ने आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के दिन प्रभु के उनकी जन्मभूमि जाने की व्यवस्था की। तभी से यह परंपरा रथ-यात्रा के रूप में चली आ रही है।

इस यात्रा से संबंधित दूसरी कहानी देवी सुभद्रा से जुड़ी है। पद्म पुराण के अनुसार, एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने अपने प्रिय भाई से नगर देखने की इच्छा जताई। तब जगन्नाथ जी ने अपने बड़े भाई बलभद्र और लाडली छोटी बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाया और नगर दिखाने के लिए निकल पड़े। यह घटना आषाढ़ के दिनों की है। इसी भ्रमण के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्रजी और सुभद्राजी अपनी मौसी के घर गुंडिचा भी गए थे। अपनी मौसी के घर इन तीनों ने सात दिनों तक ठहर कर विश्राम किया था। उसी मान्यता के अनुसार आज भी यह यात्रा सात दिन बाद तीनों के वापस जगन्नाथ मंदिर में आने के बाद ही समाप्त होती है।

यात्रा के विभिन्न चरण

यह संपूर्ण यात्रा, रथयात्रा, गुंडिया यात्रा और निलाद्री विजय यात्रा के तीन अवस्थाओं में विभाजित होती है। इस यात्रा के लिए तीन विशाल रथ तैयार किए जाते हैं, जिन्हें लकड़ी से बनाया जाता है। ये रथ अत्यधिक भव्यता से सजाए जाते हैं और इन्हें खींचने के लिए हजारों भक्त एकत्रित होते हैं। 'नंदिघोष' नामक रथ पर भगवान जगन्नाथ विराजमान होते हैं। तालध्वज नामक रथ पर बलभद्र जी और देवदलन नामक रथ पर सुभद्रा जी विराजमान होती हैं। इस यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और उनकी बहन सुभद्रा को मंदिर से एक मार्ग द्वारा पुरी के गुंडिचा मंदिर तक ले जाया जाता है। यह यात्रा की प्रारंभिक अवस्था होती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी को उनके विशेष रथों में स्थानांतरित किया जाता है। यह रथ-यात्रा भरपूर धार्मिक उत्साह के साथ संपन्न की जाती है। इसमें हजारों लोग भाग लेते हैं, जो रथ को खींचते हैं और उसे पुरी नगर तक ले जाते हैं।

दूसरी अवस्था गुंडिया यात्रा की होती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ अपने भक्तों के दर्शन के लिए एक विशेष गुंडीया में वापस लाए जाते हैं। इसमें उनकी विशिष्ट पूजा-अर्चना की जाती है। उनके दर्शन करने के लिए भक्तों का एक खास आयोजन होता है।

तीसरी और अंतिम अवस्था निलाद्री विजय यात्रा या बहुदा यात्रा होती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी को जगन्नाथ मंदिर में वापस ले जाया जाता है। इस अवस्था में विभिन्न पूजा-अर्चना के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और भक्तों को भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

जुड़ी हैं कई मान्यताएं

भक्ति, प्रेम और उपासना के साथ-साथ इस रथ-यात्रा के अन्य महत्त्व भी हैं। मान्यता है कि जो भी भक्त भगवान जगन्नाथ की रथ-यात्रा में शामिल होता है, उसके जीवन में सभी दुख-दर्द खत्म हो जाते हैं। साथ ही भूल से हुए अपराधों के लिए भक्त क्षमा मांगकर अपने जीवन का नया अध्याय भी शुरू करते हैं। भगवान जगन्नाथ के दर्शन के बाद भक्तों को सुख-शांति के साथ अपना जीवन जीने के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि जो लोग भी सच्चे भाव से इस यात्रा में शामिल होते हैं, उनकी सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस यात्रा के दर्शन मात्र से ही व्यक्ति के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। इस रथ-यात्रा में शामिल होने का पुण्य सौ यज्ञों के बराबर माना जाता है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

उतार-चढ़ाव भरी जिंदगी में हम कई बार अपने कुछ प्रयासों में नाकामयाब हो जाते हैं। ऐसे में निराश होने, मन में नकारात्मक भाव लाने और हार मानने की बजाय कुछ सकारात्मक सोचें और आगे बढ़ें तो सफल जरूर होंगे।

नाकामी से ना हों निराश

सीखें कुछ सकारात्मक

हालांकि हममें से अधिकतर लोग बुरे वक्त और असफलता से बचना चाहते हैं। लेकिन देखा जाए तो इसमें भी ऐसे महत्वपूर्ण सबक होते हैं, जो ना सिर्फ ताउम्र याद रहते हैं बल्कि जीवन के लिए बेहद उपयोगी भी साबित होते हैं। इसलिए नाकामयाबी को भी एक संदेश की तरह स्वीकार करें।

सुधार का अवसर मानें: कोई नहीं जानता कि कब नाकामी का सामना करना पड़ेगा। लेकिन नाकामी को अपनी गलतियां पहचानने और उन्हें दूर करके अपनी कार्यशैली या आदतों में सुधार का अवसर समझें। समझदार लोग विफलताओं से ज्ञान हासिल करते हैं और इस ज्ञान को सफलता हासिल करने में इस्तेमाल करते हैं। याद रखें, हर नाकामी आपको एक नया अनुभव और सबक देती है, जो आपको अधिक ताकतवर और समझदार बनाते हैं।

गलतियां दोहराने से बचें: आप जब भी किसी लक्ष्य को हासिल करने में नाकामयाब हों तो उसे हासिल करने के प्रयासों का शुरू से लेकर आखिर तक पूरा आकलन करें। एक बार जब आप आत्मसमीक्षा करने और अपनी गलतियों को पहचानने में कामयाब हो जाएंगे तो आप भविष्य में उन गलतियों को दोहराने से बच सकेंगे।

नाकामी जीवन का हिस्सा: इस दुनिया में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो कभी असफल नहीं हुआ होगा। दुनिया के सफलतम और सबसे प्रतिभाशाली लोगों ने भी अपने जीवन में कई बार विफलताओं का सामना किया है। हर असफलता के बाद आपको भी यह ध्यान रखना है कि यह जीवन का एक हिस्सा है और अब आपको विराम नहीं बल्कि दोबारा नए सिरे से कोशिश करनी है।

लक्ष्य की राह में मील का पत्थर: जब आप नाकामी के प्रति अपना नजरिया बदल लेते हैं और इसे दिल पर लेना छोड़ देते हैं तो विफलताएं आपकी राह में मील का पत्थर साबित होने लगती हैं। 'फीलिंग फॉरवर्ड' नामक चर्चित पुस्तक में जॉन सी मैक्सवेल ने यही लिखा है, 'जब आप ऐसा समझ लेते हैं तो अधिक उत्साह से अवसरों का सामना करते हैं और हार का डर आपके दिमाग से निकल जाता है। आप अपने सारे प्रयास समझ-बूझकर करते हैं और सफलता ज्यादा आसान हो जाती है।'

खुद पर भरोसा रखें: यह एक सामान्य सी बात है कि गलती या नाकामी की स्थिति में आपको अपने परिजनों, बॉस या सहकर्मियों से कुछ ताने सुनने पड़ सकते हैं। लेकिन ऐसे में खुद को अपमानित महसूस करना या दूसरों को दोष देना सही नहीं है। इससे पहले कि आपकी भावनाएं आप पर हावी हों, धैर्यपूर्वक सोचें कि आखिर आप चाहते क्या हैं? सबसे बड़ी बात यह है कि आप खुद पर भरोसा करें कि आप चाहेंगे तो इसे जरूर कर लेंगे, बस आपका काम बन जाएगा।

बहाने ना बनाएं: कामयाब ना होने के पीछे सबसे बड़ी प्रवृत्ति है बहाने बनाना। कई लोग एक-दो प्रयासों में असफल होने के बाद बहाने बनाने लगते हैं, 'क्या करें लोग साथ नहीं देते...' या 'हमारी तो किस्मत ही साथ नहीं देती है।' ऐसा ना करें। हम सब जानते हैं कि बिना मेहनत किए हम सफल नहीं हो सकते। यदि आप वाकई सफल होना चाहते हैं तो पूरी शिद्दत से अपने कर्म में जुट जाएं और तब तक जुटे रहें जब तक कि आप कामयाब ना हो जाएं। *

जैसे दुनिया में खाने-पीने के शौकीनों की कमी नहीं है, वैसे ही एक से बढ़कर एक स्वादिष्ट और कीमती व्यंजनों की दुनिया भर में उपलब्ध हैं। इनमें से कुछ की कीमत जानकर आप हैरान रह जाएंगे। कुछ ऐसे ही महंगे फूड-आइटम्स पर एक नजर।

सोने-चांदी की तरह महंगे हैं ये फूड

रोचक
अंजू जैन

अकसर हम महंगाई की चर्चा करते हैं और आटा, तेल, नमक, दाल, सब्जियों जैसी रोजमर्रा के खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने पर चिंता जताते हैं। लेकिन दुनिया के कुछ खास हर्ब्स, फल, सब्जियों और मिठाइयों की कीमत इतनी ज्यादा है कि उनके बारे में जानकर आप चौंक जाएंगे। ऐसे ही कुछ फूड आइटम्स पर एक नजर-

व्हाइट अल्बा ट्रफल: यह गुंथे हुए आटे या कुछ-कुछ अदरक जैसी दिखती है। यह एक प्रकार की फंगस (कवक) है, जो दुनिया की सबसे महंगी हर्ब मानी जाती है। यह दक्षिणी यूरोप और उत्तरी अफ्रीका में पाई जाती है। इसका रंग क्रीम वाइट या लाइट पिंक होता है। इसका स्वाद ताजे अदरक और चीज जैसा लगता है। इसकी गंध और स्वाद दोनों तीखे होते हैं। इसे उगाना बहुत कठिन होता है और यह बहुत जल्दी खराब भी हो जाती है, इसीलिए यह इतनी महंगी होती है। इसकी कीमत प्रति किलो एक करोड़ रुपए तक हो सकती है।

मात्सुके मशरूम: यूं तो दुनिया में कई तरह के मशरूम पाए जाते हैं, लेकिन मात्सुके मशरूम

इनसे बिल्कुल अलग होता है। इसकी कीमत प्रति किलो 80 हजार रुपए तक हो सकती है। यह मशरूम जापान के अलावा यूरेशिया और उत्तरी अमेरिका के देशों में ज्यादा पाया जाता है। इसे

सोने की मिठाई

यूएई का दुबई शहर ऐश्वर्य, वैभव और विलासिता के लिए जाना जाता है। यहां शानदार होटल से लेकर लाजवाब फूड्स तक हर वो चीज मौजूद है, जो आपको हैरानी में डाल सकती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि दुबई के एक रेस्टोरेंट में सोने की मिठाई परोसी जाती है। दुबई के रेस्टोरेंट 'जो जू' में स्वीट डिश सोने की एक परत के साथ सर्व की जाती है। इस रॉयल मिठाई की चर्चा पूरी दुनिया में है। इस सोने की मिठाई की कीमत प्रति पीस करीब 25 डॉलर यानी इंडियन करेंसी में 2 हजार रुपए से कुछ अधिक होती है।

जापानी लोग खूब पसंद करते हैं। इनसे बनने वाले व्यंजन गाढ़े, रेशेदार और स्पाइसी होते हैं।

कोपी लूवक: यह दुनिया की सबसे महंगी कॉफी है। इसे सिर्फ इंडोनेशिया में ही उगाया जाता है। कॉफी के शौकीन टूरिस्ट, इस कॉफी को टेस्ट करने के लिए खासतौर पर इंडोनेशिया आते हैं। लेकिन इसका स्वाद वही चख सकता है, जो शौकीन होने के साथ-साथ अमीर भी हो, क्योंकि इसके एक पौंड यानी लगभग 450 ग्राम की कीमत होती है लगभग 1 लाख 25 हजार रुपए।

जापानी काला तरबूज: गर्मी के मौसम में आम और खरबूजे के साथ-साथ सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला फल तरबूज होता है। आमतौर पर आप तरबूज 30 से 50 रुपए प्रति किलो के हिसाब से खरीदते होंगे। लेकिन हम कहें कि एक ऐसा भी तरबूज होता है जिसकी कीमत 45 लाख रुपए प्रति किलो है, तो आप शायद यकीन नहीं करेंगे। जी हां, यह अनोखा काला तरबूज, सिर्फ जापान में ही उगाया जाता है। चूंकि इसका उत्पादन बहुत कम होता है, इसलिए इसकी कीमत इतनी ज्यादा होती है।

मूस चीज: यह एक खास प्रकार का चीज है, जो स्वीडन में मिलता है। गधी के दूध से बनने वाला मूस चीज, दुनिया के सबसे महंगे फूड आइटम्स की सूची में शामिल है। इसे मई से सितंबर के बीच में तैयार किया जाता है। इसके शौकीन लोग प्रति किलो 90 हजार से लेकर 1 लाख रुपए तक की कीमत चुका कर भी इसका स्वाद लेने से पीछे नहीं हटते। *

'कॉमेडी क्वीन' के नाम से मशहूर भारती सिंह ने अपने टैलेंट, मेहनत और लगन के बल पर टीवी इंडस्ट्री में एक खास मुकाम हासिल किया है। इन दिनों वह कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट हो रहे कॉमेडी शो 'लाफ्टर शेफ्स' होस्ट कर रही हैं। इस शो, अपनी अब तक की प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बेबाक बातचीत भारती सिंह से।

मैंने अपनी कमजोरी को अपनी ताकत बनाया: भारती सिंह

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

पचासी किलो वजन और पांच फीट हाइट के साथ पंजाब से आईं गोल-मटोल भारती सिंह ने कभी भी नहीं सोचा था कि उनका हैवी वेट, जो उनकी कमजोरी है, वही उनकी ताकत बन जाएगा। अपना ही मजाक उड़ाकर सबको हंसाने वाली भारती सिंह आज, टेलीविजन इंडस्ट्री और ग्लैमर वर्ल्ड का जाना-माना नाम हैं। टीवी शोज के अलावा भारती कुछ फिल्मों में भी नजर आई हैं। इन दिनों कलर्स पर प्रसारित हो रहे शो 'लाफ्टर शेफ्स' को लेकर **भारती सिंह** चर्चा में हैं। पेश है, उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

कलर्स के कॉमेडी शो 'लाफ्टर शेफ्स' में आप बतौर एंकर कितना एंज्वॉय कर रही हैं? इस शो को लेकर आपके कैसे एक्सपीरियंस हैं?

बहुत ही मजेदार एक्सपीरियंस हैं। मैं यह शो बहुत एंज्वॉय कर रही हूं। एक्चुअली, इस शो में मेरे दो फेवरेट काम हैं- खाना और हंसना। मुझे लगता है, मैं बहुत लकी हूं कि मुझे अपने दोनों पसंदीदा काम करने का मौका मिल रहा है। साथ में उस काम का पैसा भी मिल रहा है।

इस शो में एंकरिंग के दौरान क्या खास सीखने को मिला?

'लाफ्टर शेफ्स' शो जज एवं कंटेस्टेंट्स के साथ भारती

इस शो में मुझे तरह-तरह की वैरायटी वाला खाना बनाने का ज्ञान प्राप्त हो रहा है। वैसे तो मुझे सिर्फ देसी खाना ज्यादा अच्छा बनाना आता है, लेकिन इस शो में मुझे कई तरह की डिशेज सीखने का मौका मिला, जैसे-नूडल्स, केक, बर्गर एक्सेक्ट्रा। हर्ष (पति) और गोला (बेटा) दोनों ही खाने के शौकीन हैं। इसलिए इस शो से सीखकर मैं अपने ही हाथ से उनको अलग-अलग वैरायटीज के पकवान बनाकर खिला पाऊंगी।

'लाफ्टर शेफ्स' शो के जज हरपाल सिंह के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत ही अच्छा। हरपालजी अच्छे शेफ होने के साथ-साथ एक अच्छे, खुश-मिजाज इंसान भी हैं। हम दोनों मिलकर कंटेस्टेंट्स की एक्टिविटीज का बहुत मजा लेते हैं। हरपालजी को कृष्णा, कश्मीरा, सुदेश की मस्तियां देखकर बहुत ज्यादा मजा आता है।

आज आपने स्टैंड-अप कॉमेडियन और एंकर के रूप में टीवी इंडस्ट्री में जो स्थान बनाया है, वह कितना ईजी और टफ रहा?

आसान पहले भी नहीं था और आसान आज भी नहीं है। जिन हालातों में मैंने अपना करियर शुरू किया था, उस दौरान मेरा लोगों के बीच अपनी पहचान बनाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन-सा था। एक तो मेरा वजन ज्यादा था, कद भी छोटा था और मेरे पास किसी की कोई बैकिंग भी नहीं थी। बस इतना ही था कि मुझे अपनी काबिलियत पर भरोसा था। शुरुआत में मुश्किलें तो खूब आईं, लेकिन हजार कठिनाइयों के बावजूद मैंने कभी हार नहीं मानी। मैंने अपनी ही कमजोरी को अपनी ताकत बनाया, अपने मोटापे का मजाक उड़ाकर मैंने सबको खूब हंसाया। इसीलिए आज मैं यहां हूं। मैंने जो नाम, शोहरत और पैसा कमाया है, उसको बरकरार रखने के लिए भी बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

आप टीवी पर पहले से ही बहुत व्यस्त थीं, बावजूद उसके आपने यू-ट्यूब चैनल भी शुरू किया। क्या इसके पीछे की वजह और ज्यादा पैसा कमाना है?

यू-ट्यूब से जुड़ने के पीछे एक वजह लॉक डाउन के बाद टीवी इंडस्ट्री की आर्थिक स्थिति खराब होना भी रही। पहले अपने शोज में मुझे जितने पैसे मिलते थे, आज उसके आधे मिलते हैं। मेकर्स के पास आज इतना बजट ही नहीं है कि वे हमको ज्यादा पैसे दे सकें। यू-ट्यूब चैनल में अच्छी कमाई हो जाती है। साथ ही यह अपने फैंस के साथ लगातार जुड़े रहने का एक अच्छा माध्यम भी है। यही वजह है कि हमने यू-ट्यूब पर 'भारती टीवी पॉडकास्ट', 'एल-ओ-एल (लाइफ ऑफ लिंबाचिया)' और खुद का ब्लॉग भी शुरू किया, जो बहुत ही मजेदार है।

फिल्म इंडस्ट्री के कलाकारों के साथ आपकी अच्छी ट्यूनिंग नजर आती है। सलमान, शाहरुख से लेकर अक्षय कुमार, रणबीर कपूर तक आप सभी हीरोज के साथ मस्ती-मजाक और फ्लर्ट करती नजर आती हैं। ऐसे में आपके पति हर्ष का क्या रिएक्शन होता है?

मैं जो भी करती हूं, उसमें हर्ष की सहमति होती है (हंसते हुए)। हर्ष पर्सनली खुद भी बहुत मस्ती-खोर है। दरअसल उसकी लिखी हुई स्क्रिप्ट पर ही मैं एक्ट करती हूं। ये एक्टर्स और हर्ष दोनों ही जानते हैं कि मेरा हीरोज के साथ रोमांस और फ्लर्ट करना सिर्फ दर्शकों के मनोरंजन के लिए होता है। इसलिए बॉलीवुड हीरोज और हर्ष दोनों ही मेरे मस्ती भरे रोमांस को एंज्वॉय करते हैं। *

मेरा बेटा गोला बहुत बड़ा तूफान है

भारती सिंह अपने बेटे गोला से बहुत प्यार करती हैं। ऐसी भी चर्चा है कि वे दूसरे बच्चे की प्लानिंग कर रही हैं। इस बात में कितनी सच्चाई है, पूछने पर भारती कहती हैं, 'अरे नहीं! अभी तो एक ही नहीं संभल रहा मुझसे। एक्चुअली मेरा बेटा गोला बहुत बड़ा तूफान है, उसको पूरा घर मिलकर भी नहीं संभाल पाता। मैं गोला से बहुत प्यार करती हूं। जब कभी शूटिंग की वजह से घर पहुंचने में लेट होता है तो मैं उससे वीडियो कॉल पर बात जरूर करती हूं। फिलहाल तो गोला के साथ ही बिजी हूं, दूसरे बच्चे के बारे में मैं नहीं सोच रही हूं। मुझे दूसरा बच्चा चाहिए, लेकिन अभी नहीं। कुछ समय बाद ही दूसरे बच्चे की प्लानिंग करूंगी।'